तापमान
अधिकतम 29 .0 डिग्री
न्यूनतम 7 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 9 नवंबर, 2025

12 लड़कियों में नैंसी व लड़कों में मोहित बने बेस्ट एथलीट

12 रक्त की पूर्ति केवल मानव शरीर से ही संभवः अजय

खबर संक्षेप

यौन शोषण पीड़िता ने आत्महत्या की चेष्टा की

पानीपत। पानीपत रेलवे जंक्शन पर शनिवार दोपहर शौदापुर की एक युवती सुसाइड करने के इरादे से ट्रेन के आगे कूदने की चेष्टा की। वहीं, मौके पर तैनात जीआरपी की महिला कांस्टेबल अंजू बाला ने युवती को पकड लिया और उसे थाने ले आईं। वहीं, थाना प्रभारी चंदन सिंह ने बताया कि कांस्टेगल अंजू बाला ने युवती को शांत किया और उसकी समस्या जानी। इस परजन भी सूचना पर थाने पहुंच गए। वहीं, युवती के पिता ने एक व्यक्ति पर उनकी बेटी के यौन शोषण का आरोप लगाया है, जिसके कारण वह कई दिनों से मानसिक तनाव में थी। इस मामले में परिवार मॉडल टाउन थाने में शिकायत भी दर्ज करा चुका है।

कार की टक्कर से घर के बाहर बच्चे की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव नोहरा में शनिवार दोपहर में घर के बाहर खेल रहे सात वर्षीय मासूम कार्तिक पुत्र राजेश कुमार की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। इधर, पुलिस ने कार्तिक की मौत के मामले की जांच शुरू करते हुए कार चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज किया। वहीं पुलिस सीसीटीवी की मदद से आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है। दूसरी ओर, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद कार्तिक का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। दूसरी ओर, कार्तिक की मौत से उसके परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है और गांव नोहरा में शोक छाया हुआ है।

छह किसानों के खेतों से बिजली की मोटरें चोरी

जींद। गांव मुआना खेतों से बीती रात चोरों ने छह बिजली मोटरों को चोरी कर लिया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायतों के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया है। मुआना निवासी देवीराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके खेत तथा पांच अन्य पड़ोसियों के खेतों से मोटरों को चोरी कर लिया। घटनाओं का सुबह पता चला जब वे खेतों में पहुंचे। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में दो युवतियां लापता, केस

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलो की जांच कर रही है। गांव बहादुरपुर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर कालेज के निकली थी।

विवाहिता दो बेटों संग हुई घर से लापता

कैथल। पुलिस थाना सीवन क्षेत्र के एक गांव से एक विवाहिता अपने दो बेटों के साथ बिना बताए घर से चली गई। इस संबंध में गांव ककहेडी के एक व्यक्ति ने सीवन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 5 नवंबर को प्रात करीब 10:00 बजे उसकी पत्नी अपने दो बेटों के साथ बिना बताए घर से चली गई तथा अब तक वापस घर नहीं लौटी।

नशे की लत से जूझ रहे युवाओं की काउंसलिंग

कैथल। थाना गुहला की एसएचओ एसआई रेखा एवं चौकी रामथली प्रभारी एएसआई संजय कुमार अपनी टीम सहित गांव खरका पहुंचे। यहां ग्रामीणों एवं युवाओं को नशा के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया तथा समाज को नशे की बुराई से मुक्त रखने में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नशा व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक पतन कर देता है। यह न केवल परिवार को प्रभावित करता है, बल्कि समाज में अपराध, विवाद और आर्थिक नुकसान का भी प्रमुख कारण बनता है।

यात्रियों के समय व पैसे की होगी बचत

अंबाला से होकर गुजरेगी चौथी 'वंदे भारत ट्रेन'

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज बोले, पीएम मोदी की वजह से देश के विकास को लगे पहिए, चार वंदे भारत ट्रेनों को शुरू किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारत के विकास को पीएम नरेंद्र मोदी की वजह से पहिए लग गए हैं। राष्ट्र दिल की गहराईयों से उन्हें आशीर्वाद दे रहा है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को चार वंदे भारत ट्रेनों को शुरू किया है।

इसमें से एक फिरोजपुर से अंबाला छावनी होते हुए नई दिल्ली तक चलाई गई है। यह ट्रेन महज साढ़े छह घंटे में फिरोजपुर से दिल्ली पहुंचेगी। इतना तेज ट्रेन चलने से लोगों का समय बचेगा और वह अपने कामकाज जल्दी कर सकेंगे। विज शनिवार को अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर फिरोजपुर से दिल्ली तक चलाई गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर स्वागत के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान मंत्री अनिल विज ने ट्रेन में सवार यात्रियों को गुलाब के फूल देते हुए उनका स्वागत किया। इस अवसर पर अनिल विज, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय व नगर निगम की मेयर शैलजा सचदेवा ने वंदे भारत ट्रेन को रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विज ने पत्रकरों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री ने चार वंदेभारत को शुरू किया है जिनमें एक बनारस से खुजराओं तक, दूसरी लखनऊ से सहारनपुर तक, तीसरी एरनाकुलम से बंगलौर तक और चौथी फिरोजपुर से दिल्ली तक चलाई गई है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब कोयले वाली छूक-छूक गाडिय़ां चलती थी। वंदे भारत चलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस देश में रेलवे को अंतरराष्ट्रीय रेलवे के मुकाबले पर लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने अनिल विज ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 160 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलती है। पहले जब वंदे भारत एक्सप्रेस चली थी तो वह रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ अम्बाला से दिल्ली गए थे और तब ट्रेन में उन्होंने चाय पी थी। हाईस्पीड ट्रेन चलने के दौरान चाय की एक भी बूंद ट्रेन में नहीं झलकी थी। यह इस गाड़ी की विशेषता है। उन्होंने कहा यह एसी ट्रेन है जिसमें आरामदायक कोच लगे है और बेहतरीन खाना इसमें दिया जाता है। इस मौके पर राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को और अंबाला को वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी हैं। अंबाला को चौथी वंदे भारत ट्रेन मिली है। देश में अब कुल 160 वंदे भारत ट्रेन हो चुकी है, इसका सीधा फायदा आम आदमी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन अत्याधुनिक सुविधाएं से युक्त है, इससे लोगों का समय बचेगा।

- ट्रेन में सवार यात्रियों को गुलाब के फूल देते हुए उनका स्वागत किया

अंबाला। वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाते मंत्री अनिल विज व राज्यसभा सांसद।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बंतो कटारिया, नगर परिषद् अध्यक्ष स्वर्णजीत कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, भाजपा पदाधिकारी रवि बुद्धिराजा, बीएस बिंद्रा, बिजेंद्र चौहान, बलित नागपाल, प्रवेश शर्मा, बलविन्द्र सिंह शाहपुर, अजय बवेजा, पुनित सरपाल, दीपक भसीन, विशाल घेल, राजकुमार गुप्ता, संदीप सचदेवा, संजय लाकड़ा के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

पुलिस से मुठभेड़ में दो बदमाशों को लगी गोली

पानीपत। रोहतक पीजीआई में उपचाराधीन मुठभेड़ में घायल बदमाश।

- एक बदमाश को पुलिस ने दबोचा, हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के गांव शाहपुर में जवाहरा मोड़ पर सीआईए वन व बाइक सवार तीन बदमाशों के बीच मुठभेड हो गई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और एक को पुलिस टीम ने पीछा कर पकड़ लिया।

पुलिस ने आरोपियों से हथियारों की खेप, जिंदा कारतूस, बाइक बरामद की है। मुठभेड़ में पकड़े गए तीनों आरोपी पर पानीपत के विकास नगर में राजवंती के घर पर फायरिंग कर जान लेवा हमला करने के आरोप में केस दर्ज है। इधर, पुलिस टीम ने घायल बदमाशों को उपचार के लिए पीजीआई रोहतक में भर्ती करवाया गया है। इधर, पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने प्रेस वार्ता में बताया कि आप्रेशन ट्रेक डाउन के तहत उनके द्वारा सीआईए वन को उक्त वारदात के आरोपियों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए थे। वहीं, गुप्ता सूचना के आधार पर सीआईए वन टीम ने शुक्रवार की रात को गांव शाहपुर में जवाहरा मोड़ पर नाकाबंदी कर दी। इधर, गांव जवाहरा की ओर से एक बाइक आती दिखी। पुलिस टीम ने बाइक चालक को रूकने का इशारा किया। वहीं, आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायर की और बाइक को मोड़ कर परढाना रोड पर दौडा दिया। पुलिस टीम ने आरोपियों का पीछा किया। वहीं पुलिस व बदमाशों के बीच फायरिंग हुई। आरोपियों की पहचान पानीपत के विकास नगर निवासी नवदीप व संदीप और जीन्द के रामयाय गांव निवासी दीपक के रूप में हुई है। आरोपी नवदीप व संदीप के पैर में एक-एक गोली लगी है। पुलिस ने आरोपी दीपक को न्यायालय में पेश किया जहा से उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया।

यह है मामला

पानीपत दीपक, नवदीप, संदीप व इनके साथियों पर विकास नगर में सुमित नाम के युवक के मकान में किराये पर निवास कर रही राजवंती पर फायरिंग की थी।

सहकारी चीनी मिल ने घटाया घाटा, 12.72 करोड़ का लाभ

- तीन दिनों में गन्ना भुगतान करने वाली हरियाणा की एकमात्र मिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

द करनाल सहकारी चीनी मिल लिमिटेड की प्रबंध अधिकारी ने बताया कि 3500 टीसीडी क्षमता वाली नई परिष्कृत शुगर मिल ने 8 अप्रैल 2021 से पिराई सत्र आरंभ किया था। इसके बाद से मिल ने अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में मिल का घाटा 105.33 करोड़ रुपये था, जिसे घटाकर वित्त वर्ष 2024-25 में 53.51 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

यदि सरकार से लिए गए ऋण पर ब्याज और मशीनरी घिसावट का मूल्य हटा दिया जाए, तो मिल अब 12.72 करोड़ रुपये के नकद लाभ पर है। उन्होंने बताया कि यह हरियाणा प्रदेश की एकमात्र सहकारी चीनी मिल है, जो लगातार तीन दिनों के भीतर किसानों का गन्ना भुगतान कर रही है। पिछले दो वर्षों से मिल बिना किसी सरकारी सहायता के अपने स्तर पर किसानों का पूरा भुगतान करती आ रही है। मिल ने सहकारी बैंक से लिए गए गन्ना भुगतान के ऋण को भी पूर्ण रूप से चुकता कर दिया है। जहाँ पहले मशीनरी रखरखाव और कर्मचारियों के वेतन के लिए ऋण लेना पड़ता था, वहीं अब मिल ने अपने संसाधनों से पाँच करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त कर ली है, जो मिल के आरंभ होने तक 15 करोड़ रुपये तक पहुँचने की संभावना है।

गीता जयंती के अवसर पर गीता रन 16 को

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अंर्तराष्ट्रीय गीता जंयती के अवसर पर होने वाली गीता रन अब तक हुई सभी प्रतियोगिताओं का रिकॉर्ड तोडकर नया रिकॉर्ड कायम करेगी। ये प्रतियोगिता 16 नवंबर 2025 को सुबह 6 बजे गीता रन 2025 के रूप में आयोजित की जाएगी। ये इस गीता रन में कुरुक्षेत्र व आसपास के जिलों से हजारों युवा हिस्सा लेंगे, इनमें खिलाड़ी, विद्यार्थी, एनसीसी व एनएसएस कैडेट्स, युवाओं सहित हर वर्ग के व्यक्ति शामिल होंगे। गीता रन का आयोजन ब्रह्मसरोवर के पुरुतोषमपुरा बाग से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गीता रन 15 नवंबर से शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका अदा करेगी।

दंपति से कनाडा का वर्क वीजा के नाम पर ठगी

चार लाख 67 हजार रुपये हड़पने वाले आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

थाना सदर यमुनानगर पुलिस की टीम ने दंपती को कनाडा का वर्क वीजा लगवाने के नाम पर ठगने के आरोपी को लिया प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। आरोपी ने दंपति से चार लाख 67 हजार रुपए ठगे थे। आरोपी धोखाधड़ी के मामले में पंजाब के नाभा जेल में बंद था।

सदर यमुनानगर थाना प्रभारी अजायब सिंह ने बताया कि गांव खंडवा निवासी जगबीर सिंह ने एक जनवरी 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपनी पत्नी नीरज रानी के साथ विदेश जाना चाहता था। फेसबुक पर द ओसी एजुकेशन कंपनी का विज्ञापन देखा। जिस पर दिए नंबर पर संपर्क किया तो वहां पर कंपनी के कमलजीत सिंह से बात हुई। जिसने वर्क वीजा पर विदेश भिजवाने का झांसा दिया। आरोपी अगस्त माह में यहां माडल टाउन में आया हुआ था। जहां उससे बात की। जिसने कनाडा का वर्क वीजा लगवाने का झांसा दिया। इसके लिए 20 लाख रुपये का खर्च बताया। आरोपी ने अलग-अलग कर चार लाख 67 हजार रुपये ले लिए। दस्तावेज लेकर वर्क वीजा की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। पत्नी व उसके कनाडा एंबेसी चंडीगढ़ में बायोमीट्रिक भी कराई। छह माह में वीजा लगवाने का वादा किया गया लेकिन तय समय के बाद भी वीजा नहीं लगा। जब भी उनसे काल करते वह टाल मटोल कर देते। रुपये वापस मांगे तो इन्कार कर दिया और धमकी देने लगे। पुलिस ने तफ्तीश शुरू की तो पता लगा कि शिव कुमार इस फर्म का मालिक है। उसने काफी लोगों को इसी तरह से विदेश भेजने के नाम पर ठगा हुआ है। आरोपी धोखाधड़ी के एक मामले में पंजाब की नाभा जेल में बंद है पुलिस ने आरोपी को प्रोटेक्शन डिमांड पर लिया है थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी से मामले में पूछताछ की जाएगी।

- आरोपी धोखाधड़ी के मामले में पंजाब की नाभा जेल में था बंद

यमुनानगर। सदर थाना पुलिस टीम द्वारा प्रोटेक्शन डिमांड पर लिया गया आरोपी।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से हड़पे 5.78 लाख रुपये

यमुनानगर। विदेश भेजने के नाम पर कैंप कॉलोनी निवासी सन्नी कुमार से पांच लाख 78 हजार रुपए हड़प लिए गए। आरोप उत्तर प्रदेश के जिला देवबंद निवासी मोहम्मद ताबीश पर लगा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कैंप कॉलोनी निवासी सन्नी कुमार ने गांधीनगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 2024 में रोजगार की तलाश में विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश के देवबंद निवासी मोहम्मद ताबीश लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। इस दौरान उसने आरोपी मोहम्मद ताबीश से संपर्क किया। आरोपी ने उसे लक्ष्मी नगर कैंप में मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी से मिलने के लिए गया तो आरोपी ने उसे कहा कि वह लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। वह उसे भी रोजगार के लिए विदेश भेज देगा। जहां पर उसे नौकरी मिल जाएगी। इस दौरान आरोपी ने उसे विदेश भेजने के नाम पर पांच लाख 78 हजार रुपए तथा उसके दस्तावेज ले लिए। मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी ने उसे विदेश नहीं भेजा। जब उसने इस बारे आरोपी से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी।

छिब्बर को श्रद्धांजलि देने के लिए सुखमनी पाठ आज

जींद। धर्म पर न्योछावर होने वाले भाई मती दास छिब्बर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के लिए नौ नवंबर रविवार को सुबह रेलवे रोड स्थित दवाइयों की फैक्टरी के पास बजे सुखमनी साहब के पाठ का आयोजन किया जाएगा। सुखमनी साहिब के पाठ के बाद लंगर का आयोजन किया जाएगा।

रोडवेज बस से गिरकर किसान की मौत

अंबाला। बस से गिरकर शहजादपुर के धनाना गांव के संजय कुमार की मौत हो गई। हादसा सिटी के जग्गी सिटी सेंटर के पास शाम को हुआ। मृतक के भाई राजीव कुमार की शिकायत पर बलदेव नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। राजीव कुमार ने बताया कि उनका बड़ा भाई संजय कुमार खेती-बाड़ी का काम करता था। उन्हें बलदेव नगर से अंबाला कैंट जाना था। बलदेव नगर से जब वह हरियाणा रोडवेज की बस में सवार हुए तो बस में काफी भीड़ थी। राजीव ने बताया कि वह तो बस के अंदर घुस गया, लेकिन भाई दरवाजे पर ही खड़ा रह गया। इस दौरान चालक से बस की गति कम करने का आग्रह भी किया गया लेकिन चालक ने इसे अनसुना कर दिया। इस दौरान जब जग्गी सिटी सेंटर के पास चालक ने अचानक बस के ब्रेक लगाए तो उसका भाई संजय कुमार बस से नीचे गिरकर घायल हो गया। बस के रुकते ही भाई को अन्य लोगों की मदद से अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे तो यहां उसने दम तोड़ दिया। राजीव ने बताया कि जिस बस के कारण यह हादसा हुआ था, वह सोनीपत रोडवेज की बस है और इस बस को सोनीपत के मुडलाना का दीपक कुमार चला रहा था।

25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन : श्याम सिंह राणा

प्रदेशभर में मनाया जाएगा गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस

- हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों, अधिकारियों व गणमान्य की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को पूरे प्रदेश में गरिमापूर्ण तरीके के साथ मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में 1 नवंबर से 25 नवंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम भव्य तरीके से आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने उक्त जानकारी जिला सचिवालय में आयोजित हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों, अधिकारियों व गणमान्य की बैठक में दी। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर के जीवन, त्याग और शिक्षाओं से प्रेरणा प्राप्त करने हेतु आयोजित सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक स्कूली विद्यार्थियों और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में सर्व धर्म सम्मेलन आयोजित होगा। वहीं, 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के समापन अवसर पर कुरुक्षेत्र में भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में आयोजित सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों, गणमान्य व अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

एडीसी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया

इस कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन की ओर से अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मौके पर उपायुक्त पार्थ गुप्ता, हरियाणा इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमिशन के सदस्य मुकेश गर्ग, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, सरदार बलदेव सिंह कायमपुरी, डॉ. बीएस गाबा, सरदार परमजीत सिंह, सरदार सुखविंदर सिंह, सतबीर सिंह बिद्रा, सुरेन्द्र पाल सिंह व जसवंत सिंह आदि मौजूद रहे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि जिला यमुनानगर में साढौरा से 18 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित विशेष यात्रा निकाली जाएगी जो 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। इन कार्यक्रमों में प्रबुद्धजनों, गांवों के सरपंचों, संतों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों एवं गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। ताकि अधिकाधिक लोग इन पवित्र कार्यक्रमों से जुड़ सकें।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि सभी कार्यक्रम पूरी श्रद्धा, मर्यादा और सम्मान के साथ आयोजित किए जाएं। उन्होंने सरकार व प्रशासन की तरफ से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

कार की टक्कर लगने से छह बकरियों तथा पांच भेड़ों की मौत

यमुनानगर। बूडिया थाना क्षेत्र के गांव नंदगढ़ के पास कार की टक्कर लगने से छह बकरियों तथा पांच भेड़ों की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव नंदगढ़ निवासी मनीष कुमार ने बूडिया पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह भेड़ बकरियों को पालने का काम करता है। वह शाम पौने छह बजे अपनी भेड़ व बकरियों को चराने के बाद घर लेकर लौट रहा था। इस दौरान तेज गति से आ रही कार ने उसकी भेड़ व बकरियों को कुचल दिया। इसके बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। उसने बताया कि हादसे में उसकी तीन बकरियां तथा तीन बकरियां के बच्चे, चार भेड़ें तथा एक भेड़ के बच्चा की मौत हो गई। उसने हादसे की सूचना पुलिस को दी।

खबर संक्षेप

दुकान से हजारों रुपये की बैटरियां चोरी

यमुनानगर। जगाधरी की सरस्वती कॉलोनी के नजदीक स्थित दुकान से चोरों ने हजारों रुपये की बैटरियां चोरी कर ली। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव भोजपुर निवासी संजीव कुमार ने शहर जगाधरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी जगाधरी की सरस्वती कॉलोनी के नजदीक इनवर्टर बैटरी की दुकान है। वह शाम को दुकान बंद करके अपने घर चला गया था। सुबह जब दुकान पर पहुंचा तो दुकान का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर दुकान से इनवर्टर बैटरी की छह बैटरियां, बाइक की 20 बैटरियां, कार की दो बैटरियां तथा अन्य सामान गायब मिला।

आधा दर्जन से अधिक ने पीटकर किया घायल

यमुनानगर। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के गांव बकरवाला में हुई मारपीट में पुलिस ने नौ लोगों पर केस दर्ज किया है। मारपीट में गांव का ही व्यक्ति घायल हो गया। बकरवाला निवासी जसविंदर सिंह ने प्रताप नगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले गांव के ही प्रदीप कुमार व जशन के साथ किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई थी। उसे समय लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था मगर आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। जसविंदर ने बताया कि छह नवंबर को रात आठ बजे गांव जा रहा था। इस दौरान प्रदीप व जशन ने साथियों रणधीर सिंह, विक्रम, राजवीर सिंह, सुखदेव सिंह, अंकित, गुल्लू व प्रिंस के साथ मिलकर हमला कर दिया।

गुरु नानक खालसा कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया आयोजन

गुरु ने दिया धार्मिक स्वतंत्रता, करुणा और मानवीय गरिमा का संदेशः बेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

गुरु नानक खालसा कॉलेज की क्रिटिक सोसायटी के तत्वावधान में शनिवार को कालेज में श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी जयंती को समर्पित भारतीय चेतना, धर्मनिरपेक्षता और इतिहास विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रुप में केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला (हिमाचल) के कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. हरमोहिंदर सिंह बेदी ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया। संगोष्ठी का शुभारंभ कॉलेज परिसर स्थित गुरुद्वारा साहिब में वाहेगुरु जी का आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ किया गया।

मुख्यातिथि एवं कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. हरमोहिंदर सिंह बेदी ने संगोष्ठी में भारत की आध्यात्मिक और नैतिक चेतना में श्री गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी एक महान व्यक्ति थे। जिन्होंने अपने समुदाय के लिए नहीं, बल्कि दूसरों की स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। जो सच्ची धर्मनिरपेक्षता और मानवता का एक सबक है। उन्होंने गुरु की शिक्षाओं और शहादत के स्थायी वैश्विक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का धार्मिक स्वतंत्रता, करुणा और मानवीय गरिमा का संदेश अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार भी गूंजता रहता है। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन के ऐतिहासिक पहलुओं पर भी प्रकाश डाला। जिसमें उनके हुक्मनामा भी शामिल हैं। जो आध्यात्मिक अनुशासन, नैतिक आचरण और सामुदायिक सद्भाव के प्रति उनकी गहरी चिंता को प्रकट करते हैं। मौके पर डॉ. गुरनाम कौर बेदी ने श्री गुरु तेग बहादुर जी की बानी की दार्शनिक और साहित्यिक गहराई पर चर्चा की।

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यातिथि को स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मानित करते हुए कॉलेज प्राचार्य व अन्य सदस्य। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला (हिमाचल) के कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. हरमोहिंदर सिंह बेदी ने मुख्यातिथि के रुप में लिया भाग

मुख्यातिथि को सम्मानित किया

कॉलेज प्रिंसीपल डॉ. अरविंदर भल्ला ने कहा कि मानवाधिकारों और आस्था की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए गुरु का सर्वोच्च बलिदान आज की असहिष्णुता और विभाजन से ग्रस्त दुनिया में प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। वहीं, कालेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठी ने न केवल गुरु के बलिदान को श्रद्धांजलि दी है। बल्कि युवा मन को उनकी नैतिक और आध्यात्मिक विरासत पर चिंतन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय चंदेल प्रोफेसर अमृतपाल व डॉ. रमनदीप महल द्वारा संगोष्ठी में पहुंचे सभी वक्ताओं व अतिथियों का धन्यवाद किया। मौके पर सरदार मेजर राजिंदर सिंह भट्टी, सरदार बलवंत सिंह बांगा, डॉ. कमल प्रीत कौर आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. अरविंदर भल्ला समेत अन्य स्टाफ सदस्यों ने मुख्यातिथि को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अंबाला-शामली नेशनल हाइवे पर रास्ता लेकर रहेंगे किसान

यमुनानगर। के अलाहर गांव में आयोजित बैठक में नेशनल हाईवे पर स्वयं रास्ता बनाने के लिए कस्सी पर रेत लगाते भाकियू के सदस्य।

- भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के सदस्यों की अलाहर में बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

भारतीय किसान यूनियन(टिकैत) के सदस्यों की गांव अलाहर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने की। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष दीपराणा व जिला उपाध्यक्ष यादविंद्र कांबोज भी मौजूद रहे।

यूनियन के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने बताया कि पोटली गांव के नजदीक से अंबाला-शामली नेशनल हाईवे बनाया जा रहा है। मगर इस पर किसानों को अपने खेतों आदि में जाने के लिए रास्ता नहीं दिया जा रहा है। जिसे लेकर किसान धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। मगर अभी तक किसानों के लिए रास्ता नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में गत 4 नवंबर को उपायुक्त यमुनानगर को यूनियन द्वारा प्रदेश अध्यक्ष रतनमान के नेतृत्व में एक ज्ञापन सौंपकर 15 नवंबर तक किसानों का हाईवे पर रस्ता दिए जाने की मांग की गई थी। मगर अभी तक रास्ते के बारे में ना तो प्रशासन द्वारा किसानों से बात की गई है और ना ही कोई निर्णय लिया गया है।

प्रशासन के इस रवैये को देखते हुए अब हजारों किसान 16 नवंबर को पोटली में चल रहे धरना प्रदर्शन में भाग लेकर स्वयं ही नेशनल हाईवे पर रास्ता बनाएंगे। इसके लिए किसानों को चाहे बड़ी से बड़ी कुर्बानी भी क्यों ना देनी पड़े तो वह उसे देकर रास्ता लेंगे।

किसानों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा

यूनियन के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि किसानों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से नेशनल हाईवे पर स्वंय ही रास्ता बनाने के लिए अपनी कस्सी व अन्य सामान लेकर 16 नवंबप को पोटली में चल रहे धरना स्थल पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर विनोद डांगी, रोहित कांबोज दामला, रजत सरपंच, प्रदीप कुमार,सतीश कुमार, सचिन, ओमपाल, अमित कुमार,रिंकू, नरेश व रजत आदि मौजूद रहे।

डीएवी की टीम ने प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

- जेएमआईईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज में बिजनेस आइडिया प्रेजेंटेशन स्पर्धा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

जेएमआईईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर के पर्सनेलिटी डेवलपमेंट विभाग के तत्वावधान में बिजनेस आइडिया प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मिस मेधा वशिष्ठ व मिस श्वेता की अध्यक्षता में 17 स्कूलों व पॉलिटेक्निक संस्थानों की 37 टीमों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल रादौर की टीम ने स्किल स्वॅपर्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसे 5100 रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं, दिल्ली पब्लिक स्कूल यमुनानगर की टीम टेक्नोवा ने द्वितीय स्थान अर्जित किया। जिसे 3100 रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं, संत निश्चल सिंह पब्लिक स्कूल यमुनानगर टीम ओएसिस इंटीरियर ने तृतीय स्थान अर्जित किया और इस टीम को 2100 रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जबकि एसजेपीपी दामला की टीम इनोमंड्स को सांत्वना पुरस्कार के रुप में 1100 का ईनाम दिया गया। मौके पर सभी विजेतों और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

यमुनानगर। कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कार प्राप्त कर स्टाफ सदस्यों के साथ खुशी जताते हुए।

बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किए

संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच व उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों ने तकनीकी समाधानों से लेकर सतत विकास पहलों तक विभिन्न विषयों पर अपने बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किए। निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को पारंपरिक सोच से परे सोचने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती हैं। निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने सभी प्रतिभागियों, संकाय व आयोजकों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

निगम क्षेत्र में विकास कार्यों में नहीं रहने दी जाएगी कोई कमीः बहमनी

- मेयर सुमन बहमनी ने निगम के दस वार्डों में 6.86 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए जारी किए गए टेंडर की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा द्वारा निगम के दस वार्डों में 6 करोड़ 86 लाख 49 हजार के 20 विकास कार्यों के लिए टेंडर जारी किए हैं। इन कार्यों में विभिन्न गलियों का निर्माण, पानी निकासी के लिए अंडरग्राउंड नालियों व स्टॉर्म वाटर लाइन डालने, पार्कों के सौंदर्यकरण समेत विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे।

मेयर सुमन बहमनी।

यह जानकारी नगर निगम मेयर सुबन बहमनी ने अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए दी।

मेयर बहमनी ने बताया कि 6. 86 करोड़ रुपये से होने वाले विकास कार्यों के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। जिनमें 10.88 लाख की लागत से वार्ड 18 के भूत माजरा में शिव मंदिर से रोशन लाल के घर तक, ऋषि पाल के घर से शिव कुमार के घर तक और पवन के घर तक गलियों का निर्माण व एनपी-2 पाइप लाइन डालने का कार्य किया जाएगा। वहीं, 9.33 लाख रुपये से वार्ड 21 के भगवान परशुराम सामुदायिक केंद्र की मरम्मत व रखरखाव किया जाएगा।

बिना भेदभाव कराए जा रहे विकास कार्य

मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम के हर वार्ड के नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराने को सरकार बिना भेदभाव करोड़ों रुपये के विकास कार्य करवा रही है। शहर में पानी निकासी को नालियां, पक्की सड़कें, पक्की गलियों, सीवरेज सिस्टम आदि कार्य किए जा रहे हैं।

जजपा के मेहम सिंह राजेपुर को प्रदेश सचिव की कमान

- क्लब की प्रधान पूजा माटिया ने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

जननायक जनता पार्टी द्वारा गांव राजेपुर के मेहम सिंह को प्रदेश सचिव बनाया है। कार्यकर्ताओं ने मेहम सिंह राजेपुर के प्रदेश सचिव बनने पर खुशी जताई है।

नवनियुक्त प्रदेश सचिव मेहम सिंह राजेपुर ने कहा कि पार्टी की ओर से उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी गई है। वह उसे पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाएंगे। वह संगठन को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ेंगे। उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए जजपा सुप्रीमो अजय सिंह चौटाला, पूर्व उप मुख्यमंत्री चौधरी दुष्यंत चौटाला व प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा का हार्दिक आभार प्रकट किया है।

जजपा के नवनियुक्त प्रदेश सचिव मेहम सिंह का फाइल फोटो।

आडवाणी का उत्साह से मनाया जन्मदिन

- भाजपा द्वारा गांव मंधार में आयोजित किया कार्यक्रम
- गुरुकुल कुरुक्षेत्र के वाइस चेयरमैन मास्टर सतपाल कांबोज ने मुख्यातिथि के रुप में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शनिवार को गांव मंधार में भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान मुख्यातिथि के रुप में गुरुकुल कुरुक्षेत्र के वाइस चेयरमैन मास्टर सतपाल ने भाग लिया। मौके पर कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर खुशियां मनाई। मुख्यातिथि एवं गुरुकुल कुरुक्षेत्र के वाइस चेयरमैन मास्टर सतपाल कांबोज मंधार ने कहा कि लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ राजनेता हैं। वह कई बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। उन्होंने भाजपा संगठन को भारतीय राजनीति में एक प्रमुख पार्टी बनाने में उनका योगदान सर्वोपरि है। 8 नवम्बर 1927 को वर्तमान पाकिस्तान के कराची में इनका जन्म हुआ। विभाजन के बाद इनका परिवार भारत आ गया। इनकी शुरुआती शिक्षा लाहौर में ही हुई पर बाद में भारत आकर उन्होंने मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से लॉ में स्नातक किया। एक शिक्षक के रूप में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। कराची के मॉडल हाईस्कूल में वे अंग्रेजी, गणित, इतिहास और विज्ञान जैसे विषय पढ़ाते थे। उसी दौरान वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्पर्क में आए और उसके सचिव चुने गए।

राजनीतिक सफर की शुरुआत

यहीं से इनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। 1951 में उन्हें भारतीय जनसंघ का सदस्य चुना गया और अलग अलग जिम्मेदारियां निभाते हुए वे उसके अध्यक्ष चुने गए। 1970 में वे राज्य सभा के लिए चुने गए और 1989 तक वे राज्य सभा सांसद रहे। आपातकाल के बाद जनता पार्टी की सरकार केंद्र में आयी तो 1977 से 1979 तक मोरारजी भाई के प्रधानमंत्री के कार्यकाल में वे पहली बार केंद्रीय सरकार में सूचना एवं प्रसारण के कैबिनेट मंत्री बने। इसके बाद 1980 में भाजपा का गठन हुआ तो वे 1986 में उसके अध्यक्ष बनाए गए। उन्होंने 1990 के दशक में पूरे देश में राम जन्मभूमि के लिए रथ यात्राएं कीं। 1999 में जब एनडीए की सरकार बनी तो वे केंद्रीय गृहमंत्री बनाए गए और 29 जून 2002 को उन्हें उपप्रधानमंत्री का भी दायित्व सौंपा गया। जिस पद पर वे 2004 तक विराजमान रहे। तत्पश्चात 2004 से 2009 में वे लोक सभा के विपक्ष के नेता रहे। वर्ष 2014 में उनके अनुभवों को देखते हुए बीजेपी के मार्गदर्शक मण्डल में शामिल किया गया। उन्हें 2015 में पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भाजपा को उनके अनुभव का लाभ मिलता रहेगा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की दीर्घ आयु की कामना की।

मुकंदलाल स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

- क्लब की प्रधान पूजा माटिया ने दी विस्तार से जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब वूमैन द्वारा रविवार को रादौर के मुकंदलाल स्कूल हॉल में शाम तीन बजे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल हरनौल की एमडी शरणप्रीत कौर बराड़ करेंगी। कार्यक्रम में समाजसेवी संगीता मेहता रादौर वशिष्ठ अतिथि के तौर पर उपस्थित होंगी। रोटरी क्लब वूमैन की प्रधान पूजा माटिया ने बताया कि बाल दिवस के अवसर पर आयोजित की जाने वाली बच्चों की प्रतियोगिताओं को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विजेता बच्चों के अलावा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

प्रधान पूजा माटिया।

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने आवेदन के लिए दी जानकारी

राज्यस्तरीय महिला पुरस्कार के लिए 14 तक करें आवेदन

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए 51 हजार रुपये व प्रशंसित पत्र दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाली इच्छुक महिलाएं 14 नवंबर तक अपने आवेदन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग यमुनानगर के कार्यालय में जमा करवा सकती हैं। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने शनिवार को अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए उक्त जानकारी दी।

प्रशंसित पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के लिए एक लाख 50 हजार रुपये व प्रशंसित पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के लिए एक लाख रुपये व प्रशंसित पत्र, बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के लिए एक लाख रुपये व प्रशंसित पत्र दिया जाएगा। लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए 51 हजार रुपये व प्रशंसित पत्र दिया जाएगा। वहीं, विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय प्रदर्शन करने वाली एएनएम एमपीएचडब्ल्यू तथा नर्स, महिला खिलाड़ी, सरकारी कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता और महिला उद्यमी को 21-21 हजार रुपये व प्रशंसित पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। मौके पर महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा ने बताया कि पुरस्कार के लिए पात्र अभ्यर्थी 14 नवंबर तक अपने नामांकन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय यमुनानगर में जमा करवा सकती हैं। जोकि जिला स्तरीय रिकमेंड कमेटी संस्तुति के साथ इन नामांकनों को जिला कार्यक्रम अधिकारी, निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग के हरियाणा के कार्यालय को 26 दिसंबर तक भेजेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस को महिला एवं बाल विकास विभाग अर्जुन नगर (गुरुद्धारे के पास) यमुनानगर के कार्यालय में आकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वर्तमान में बच्चों को सही कलाओं का ज्ञान होना आवश्यकः रुबी त्यागी

- ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल में क्षमता वृद्धि कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल सांगीपुर में शनिवार को क्षमता वृद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्य रीतू सिंगला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मौके पर मुख्यवक्ता के रुप में विषय विशेषज्ञ रूबी त्यागी ने भाग लिया। मुख्य वक्ता रुबी त्यागी ने कहा कि शिक्षक जीवन को जिस तरह जीता है। वही तरीका अधिकतम रूप से बच्चों में स्थानांतरित होता है। क्योंकि यह भी एक प्रकार की ऊर्जा है जो एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्थानांतरित की जा सकती है। वर्तमान के प्रतियोगिता भरे युग में बच्चे को जीवन की सही कलाओं का ज्ञान होना आवश्यक है। ताकि वो इस भीड़ में भी खुद को स्थापित कर सके। वहीं, दूसरे मुख्यवक्ता सोनू शर्मा ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में किसी भी कक्षा में बच्चों को पढ़ाना पुराने समय जैसा नही रहा है। इसलिए बच्चों को गतिविधियों में शामिल करके उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है। जिससे एक इंसान न केवल हर दिन सीखता है। मुख्य वक्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

यमुनानगर। ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अध्यापक।

खबर संक्षेप

देवीलाल पार्क में महापुकार रैली आज

कुरुक्षेत्र। 9 नवंबर को देवी लाल पार्क पिपली कुरुक्षेत्र में होने वाली सफाई व सीवर कर्मचारियों की महापुकार रैली अभूतपूर्व एवं विशाल होने के साथ-साथ प्रदेश के सफाई कर्मचारियों के आंदोलन का रास्ता भी इजाद करेगी। यह दावा नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री व ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बसाऊ राम ने किया। उन्होंने कहा कि महापुकार रैली प्रदेश में सफाई कर्मचारियों के सामाजिक आर्थिक, शारीरिक शोषण एवं उनके संवैधानिक अधिकारों की प्राप्ति और भविष्य के आंदोलन के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

माता बाला सुंदरी मंदिर में संकीर्तन-भंडारा आज

पिहोवा। श्रीबालाजी प्रचार मंडल चंडीगढ़ के श्रद्धालुओं का जत्था खाटू श्याम सालासर बालाजी सालाना यात्रा लेकर आज प्रीत विहार मॉडल टाउन में पहुंचेगा। इस दौरान माता बाला सुंदरी मंदिर में श्रद्धालुओं का भव्य अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक जनक राज सिंगलाऔर वीरभान नंबरदार ने बताया कि हर साल श्रीबालाजी प्रचार मंडल चंडीगढ़ के श्रद्धालु बसों में सवार होकर यात्रा के साथ यहां पहुंचते हैं और मंदिर में भजन कीर्तन करते हैं। इस दौरान भंडारा भी लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि रविवार 9 नवंबर को सुबह 10 बजे सालाना संकीर्तन और भंडारा आयोजित किया जाएगा।

पूर्व राज्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र से दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन में किया सफर

धर्मक्षेत्र में वंदे भारत ट्रेन के ठहराव से पर्यटकों को मिलेगा फायदा : सुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

वंदे भारत टेन का कुरुक्षेत्र जंक्शन पर दो मिनट का ठहराव शनिवार से शुरु हो गया। हालांकि पहले दिन ट्रेन एक घंटा 17 मिनट की देरी से कुरुक्षेत्र पहुंची। ट्रेन का कुरुक्षेत्र पहुंचने का समय दोपहर 12 बजकर 28 मिनट है। शनिवार को ट्रेन एक बजकर 55 मिनट पर कुरुक्षेत्र पहुंची। सांसद नवीन जिंदल के आग्रह पर ट्रेन का ठहराव कुरुक्षेत्र जंक्शन में किया गया है। कुरुक्षेत्र जंक्शन पर सांसद नवीन जिंदल ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना था लेकिन सांसद नवीन जिंदल की फ्लाइट में देरी के चलते वे कुरुक्षेत्र नही पहुंच पाए। पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कुरुक्षेत्र से दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन में सफर किया। हरियाणा पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद नवीन जिंदल ने कुरुक्षेत्र को वंदे भारत ट्रेन की सौगात दिलवाने के लिए प्रयास किए हैं।

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र जंक्शन पर खड़ी वंदे भारत ट्रेन।

कुरुक्षेत्र। वंदे भारत ट्रेन में सफर के दिल्ली जाते पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा।

वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलना एतिहासिक पल

कुरुक्षेत्र के नागरिक मुख्यमंत्री, सांसद और उन्हें मिलने पर लगातार मांग करते थे कि कुरुक्षेत्र के लिए कब वो दिन आएगी जब यहां पर भी वंदे भारत ट्रेन रुकेगी। सभी के प्रयास से आज वो दिन मिला है, जब यहां पर वंदे भारत ट्रेन ने रुकना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि शहर में रेलवे लाइन पर 5 क्रॉसिंग फाटकों पर लंबा जाम लग जाता है। उस जाम से जल्द ही मुक्ति मिलने वाली है। इन सभी क्रॉसिंगों को कवर करते हुए रेलवे द्वारा एलिवेटेड ट्रैक तैयार किया जा रहा है, जो जल्द ही जनता को समर्पित किया जाएगा। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने अगले दिन ही कुरुक्षेत्र को वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलना जिला के लिए बहुत ही ऐतिहासिक और गौरवमयी पल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से आज देश को चार वंदे भारत ट्रेनों की सौगात दी है, इनमें से एक ट्रेन का लाभ धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र के नागरिकों को भी मिलने वाला है। इस भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने मानव जाति की भलाई के लिए गीता का उपदेश दिया था। उन्होंने कुरुक्षेत्र वासियों की तरफ से वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया, क्योंकि वंदे भारत ट्रेन से यहां पर आने वाले पर्यटकों को सुविधाएं मिलेंगी। कार्यक्रम में पहुंचने पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा का रेलवे के अधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव 15 से शुरू

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि कल ही वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे हुए। इसी अवसर पर देशभर में समारोह का आयोजन करके जश्न के रूप में मनाया गया। वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं है, बल्कि हमारी पहचान है हमारे देश का एक नाम है। उन्होंने शहरवासियों को कहा कि 15 नवंबर से कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आरम्भ होने जा रहा है। इस बार गीता जयंती के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा इस महोत्सव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विदेशों के नागरिक शामिल होंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुए शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में लगे रहें ताकि बाहर से आने वालों को पता चले कि अब सीएम सिटी में गीता महोत्सव देखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र का विकास को विश्व स्तरीय कार्यक्रमों के मानकों को ध्यान में रखते हुए करवाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के सामने शहर के विकास की जो भी बात रखी जाती है, वो उसी समय पूरी की जा रही है। आने वाले दिनों में कुरुक्षेत्र को प्रदेश के साथ-साथ देश में विशेष पहचान से जाना जाएगा। इस मौके पर पुष्कर रमन त्रिपाठी, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, सुभाष कलसाना, सांसद नवीन जिंदल के कार्यालय से धर्मवीर, कष्ट निवारण समिति के सदस्य विनोद गर्ग, हरीश अरोड़ा, मुकेश चौहान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हरियाणवी ठहाको से सजी कला परिषद की शाम

कलाकारों ने छोड़े हंसी के फव्वारे, दर्शक हुए लोटपोट

कुरुक्षेत्र। प्रस्तुति देते कलाकार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिंदगी में हंसना बेहद जरुरी है। आज के तनावग्रस्त जीवन में हंसी के लिए भी समय निकाल पाना अधिकतर लोगों के लिए मुश्किल हो जाता है। ऐसे में हरियाणा कला परिषद ने लोगों को हंसाने और गुदगुदाने के लिए हरियाणवी मखौल कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें हरियाणा के हास्य कलाकारों ने हास्य-व्यंग्यों से सभी को हंसने पर मजबूर कर दिया। हर शुक्रवार कला कीर्ति भवन में सजने वाली सांस्कृतिक सांझ इस बार हरियाणवी मखौल के नाम रही। इस अवसर पर गीता ज्ञान संस्थान के शैक्षणिक प्रमुख व सोहनलाल डीएवी स्कूल के पूर्व प्राचार्य डा. विवेक कोहली मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। हरियाणा कला परिषद के कार्यालय प्रभारी धर्मपाल गुगलानी ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। हरियाणवी मखौल कार्यक्रम वंदे मातरम से प्रारम्भ हुआ।

हरियाणवी चौपाल के दृश्यों ने दिलाई पुराने समय की याद

मखौल कार्यक्रम में जींद से संजीत कौशिक, हिसार से मोहन दलाल, रेनू दूहन, कुरुक्षेत्र के नरेश सागवाल, शिवकुमार किरमच व प्रेम शर्मा ने अपनी प्रतिभा से सभी को हंसी के रंग में डुबोया। कलाकारों के साथ-साथ मंच पर हरियाणवी चौपाल का दृश्य दर्शकों को पुराने दौर की याद दिला रहा था। आपस में बातचीत करते हुए कलाकार एक-दूसरे के साथ हंसी मजाक करते हुए दर्शकों पर भी हंसी के फव्वारे छोड़ रहे थे। हास्य कार्यक्रम में जहां एक ओर कलाकारों ने अपने हास्य व्यग्यों से लोगों का गुदगुदाने का काम किया वहीं एक-दूसरे पर कसी जा रही फब्तियां भी लोगों को पेट पकड़ कर हंसने पर मजबूर कर रही थी। कार्यक्रम के समापन पर सभी हास्य कलाकारों तथा मुख्य अतिथि डॉ. विवेक कोहली को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

महिला सफाई कर्मियों के साथ उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कामकाजी महिला समन्वय समिति ने सीटू के बैनर तले रोहतक एमडीयू में महिला सफाई कर्मचारियों के साथ मालिक व ठेकेदारों के द्वारा उत्पीडन व शर्मनाक कार्यवाही के खिलाफ कुरुक्षेत्र मे उपायुक्त कार्यालय पर सीटू जिला संयोजक रानी देवी की अध्यक्षता मे मुख्यमत्री नायाब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि मालिक व ठेकेदार के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मागं की गई। सीटू जिला सहसंयोजक पिंकी, अनिल कुमार, सुनील रत्न, कमेटी सदस्य मनजीत , रोशन लाल फौजी, गुरमीत कौर आदि ने बताया कि एमडीयू विश्विद्यालय, रोहतक में 25 से 27 अक्टूबर तक राज्यपाल की विजिट होनी थी। कैंपस में 26 अक्टूबर को सफाई कर रही महिला कर्मचारियों को काम में तेजी लाने के लिए कहा गया। इस पर कुछ महिलाओं ने मासिक धर्म आने का हवाला देकर कुछ रियायत देने की अपील की। सुपरवाइजर ने इस पर नाराज होकर अपने संबंधित अधिकारी को शिकायत की उसके बाद महिलाओं की जांच के निर्देश दिए इस पर एक महिला कर्मचारियों ने उनके अन्तः वस्त्र जांच उनके सेनेटरी पैड की फोटो तक ली गई।

- मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम सौंपा ज्ञापन

कुरुक्षेत्र। ज्ञापन सौंपते कर्मचारी।

गीता महोत्सव व पीएम के आगमन को लेकर रहेगें सुरक्षा के व्यापक प्रबंध : पुलिस अधीक्षक

कुरुक्षेत्र। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंच रहे है। यह क्षण ऐतिहासिक होने के साथ-साथ कुरुक्षेत्र ही नहीं हरियाणा के लिए गौरवशाली पल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पहुंचने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इन तमाम कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम होंगे। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें राज्य स्तरीय शहीदी दिवस और अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के प्रबंधों को लेकर पुलिस अधिकारियों की एक विशेष बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।पुलिस अधीक्षक ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव और श्रीगुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व को लेकर कार्यक्रम स्थल सहित तमाम कार्यक्रम आयोजन स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने, वीवीआईपी रुट पर ड्यूटी लगाने के आदेश दिए।

पिहोवा हलके की सड़कों का होगा नवीनीकरण : जयभगवान डीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पंडित जय भगवान शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने ढांड रोड से खानपुर तक, कुरुक्षेत्र ढांड रोड से भैंसी माजरा और पिंडारसी, सारसा तक व कमोदा से लोहार माजरा वाया खिजरपुरा तक सड़कों के नवीनीकरण कार्य का विधिवत उद्घाटन किया गया। उन्होंने बताया कि सड़कों के नवीनीकरण कार्य पर 323. 36 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे और 6 महीने में सभी सड़कों को दुरुस्त करने का कार्य पूरा करने का जिम्मा टेंडर लेने वाली कंपनी को दिया गया है। पंडित जय भगवान शर्मा डीडी ने विदेश की सड़कों का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका को लेकर वहां के बुद्धिजीवियों की एक कहावत थी कि अमेरिका विकसित होने के कारण वहां की सड़कें अच्छी नहीं, बल्कि सड़कें अच्छी होने के कारण अमेरिका विकसित है। इस तरह जिस देश की सड़कें अच्छी होंगी वह तरक्की के नए आयाम छूएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इसी सोच को पूरा करते हुए देश को विकसित बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री नायब सैनी सड़कों का जाल बिछाने में लगे हुए हैं।

- भाजपा नेता पंडित जय भगवान शर्मा ने तीन विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया

ओपन लिखित प्रतियोगिता अंबेडकर भवन में 17 को

कुरुक्षेत्र। सेक्टर 8 स्थित अंबेडकर भवन में 17 नवंबर को एक ओपन लिखित प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में भारतीय संविधान से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रतियोगिता में कोई भी भाग ले सकता है। अंबेडकर भवन के प्रधान डा. रामभक्त लांग्यान। रामभक्त लांग्यान ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 26 नवंबर को संविधान दिवस को लेकर अंबेडकर भवन की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में 17 नवंबर को अंबेडकर भवन में एक लिखित ओपन प्रतियोगिता करवाई जाएगी।

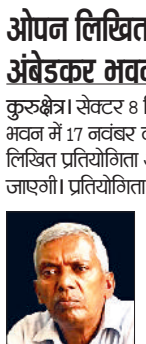

आचार्य दक्षता वर्ग का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। दक्षता वर्ग का आरंभ गीत द्वारा किया गया। इसके पश्चात प्रातः स्मरण, एकात्मता मंत्र एवं एकात्मता स्त्रोत के श्लोकों का उच्चारण किया गया। शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने के लिए तथा मन की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए आसन, योग व प्राणायाम करवाए गए। बौद्धिक सत्र सुनैना जी का रहा जिसमें सप्त शक्ति संगम उनका विषय रहा। उन्होंने बताया कि हमारे अंदर सप्त आधारभूत शक्तियां हैं जो मातृशक्ति से संबंधित हैं। उन्होंने बताया की ये सप्त शक्तियां बालक के विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। जिसमें सबसे पहले हमारी शक्ति है ब्रह्मरूप शक्ति जिसका अर्थ है सृजनात्मक शक्ति। जिसका संबंध मातृ शक्ति अर्थात नया जीवन देने वाली शक्ति से है। दूसरा रूप है माहेश्वरी जो शिव से संबंधित है। संहारक शक्ति सृजन शक्ति का आधार होती हैं। जैसे बीज धरती में बोया जाता है उसका संहार होता है तो वह अपना अंकुरित रूप लेता है और फिर वह पौधे के रूप में आता है इसी तरह संहारक शक्ति आवश्यक है जिससे नया सृजन हो सके। तीसरी शक्ति है कौमार्य शक्ति। जिसका अर्थ है नयापन, सुरता ,वीरता ,ज्ञान शक्ति का सृजन करना और उसको बढ़ाना।

जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने किया कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर में जर्मनी से आए, रोजगार देने वाली प्रतिष्ठित कम्पनी के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल के साथ मैजिक बिलियन के सह-संस्थापक और उनकी टीम भी उपस्थित रही। यह दौरा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने तथा कुरुक्षेत्र के युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के अवसरों के नए मार्ग खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पांच सक्रिय बैचों के विद्यार्थियों से संवाद किया, जो वर्तमान में बी वन स्तर की जर्मन भाषा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। ये विद्यार्थी ओवरसीज अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिसके माध्यम से उन्हें जर्मनी में तीन वर्ष की अप्रेंटिसशिप के अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरे का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई जर्मन भाषा में लघु प्रस्तुतियाँ और नाट्य रूपांतरण रहे, जिनमें उनके भाषा कौशल, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला।

मुख्यमंत्री जनता के बीच रहकर कर रहे जनसमस्याओं का निवारण : कलसाना

शाहबाद। गांव खरींडवा के डेरा ब्रह्मदास में ब्लॉक समिति की ओर से करीब 6 लाख रुपये की लागत से बनाए गए शैड का उद्घाटन भाजपा नेता सुभाष कलसाना ने किया। शैड को ग्रामीणों के उपयोग के लिए समर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में चहुंमुखी विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सुभाष कलसाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो 24 घंटे जनता के बीच रहकर उनकी समस्याएं सुनते हैं और मौके पर उनका समाधान करवाते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के कोने-कोने से लोग अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि नायब सैनी वास्तव में धरातल से जुड़े हुए और जनसेवा को समर्पित मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही गांव में एक अन्य स्थान पर भी शैड का निर्माण कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को सुविधाएं मिलती रहें। इस मौके पर ब्लॉक समिति सदस्य रणबीर सिंह को सुभाष कलसाना द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन मास्टर लाभ सिंह ने किया।

नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में टीचर्स के लिए ट्रेनिंग सेशन का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर कुरुक्षेत्र में टीचर्स के लिए ट्रेनिंग सेशन का आयोजन किया गया जिसका विषय स्ट्रेस मैनेजमैंट रहा। सैशन का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा, प्रशासक विकास गाबा एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा, मुख्याध्यापिका प्रीती मिश्रा तथा रिसोर्स पर्सन ब्रिज मोहन शर्मा द्वारा माता सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर ब्रिज मोहन ने ने सैशन का प्रारंभ प्रार्थना करवा कर किया जिसका अर्थ बताते हुए उन्होंने समझाया कि मन की शुद्धि अति आवश्यक है। सत्य हमारे अध्यापन के लिए अति आवश्यक है हमें अपने कार्य के प्रति सजग, निष्ठावान रहना चाहिए तभी हम नैतिकता तथा मूल्यों को विद्यार्थियों के जीवन में पहुंचा सकेंगे। स्ट्रैस मैनेजमैंट के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए संतुलित जीवनशैली, गहरी साँस लेने के व्यायाम, माइंडफुलनेस (माइंडफुलनेस), नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, समय प्रबंधन में सुधार, यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करना, दूसरों के साथ जुड़ना और उन चीजों के लिए /"नहीं/" कहना सीखें जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते, यह भी तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। तनाव के तीन मुख्य प्रकार हैं: तीव्र, प्रासंगिक तीव्र और दीर्घकालिक।तनाव कम करने या उसके प्रभावों से निपटने के कई स्वस्थ तरीके हैं, लेकिन इन सभी में बदलाव जरूरी है।

समारोह | संत शिरोमणी जाट धन्ना भक्त की मूर्ति का हुआ भव्य अनावरण समारोह

धन्ना भक्त की शिक्षाएं जन-जन तक पहुंचनी जरूरी : बेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में संत शिरोमणी जाट धन्ना भक्त की मूर्ति का भव्य अनावरण समारोह बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पधारे महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने संत धन्ना भक्त के जीवन एवं उनकी कृषक भावना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने धर्मशाला में विद्यार्थियों के लिए निशुल्क भोजन व आवास व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान कुरुक्षेत्र की अमूल्य धरोहर है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री कृष्ण द्रकुमार बेदी ने धर्मशाला में चल रहे विकास कार्यों को ऐतिहासिक बताया।

कुरुक्षेत्र। संत शिरोमणी जाट धन्ना भक्त की मूर्ति अनावरण समारोह में मौजूद महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद महाराज व अन्य अतिथिगण।

धन्ना भक्त की शिक्षा से समाज में सद्भाव बढ़ेगा : देवेंद्र

स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने बताया कि इस धर्मशाला में 36 बिरादरी के लिए हर तरह की व्यवस्था है और धन्ना भक्त की शिक्षा जन जन तक पहुंचनी जरूरी हैं और यह शुरूआत उसी दिशा में मूर्ति स्थापित करके कर दी गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता गन्नौर विधायक देवेंद्र कादयान ने की और उन्होंने कहा कि धन्ना भक्त की शिक्षा से समाज में सद्भाव बढ़ेगा। भविष्य में भी धर्मशाला में कोई भी समाज हित काम होगा प्रत्येक में सहयोग करने की बात कही।

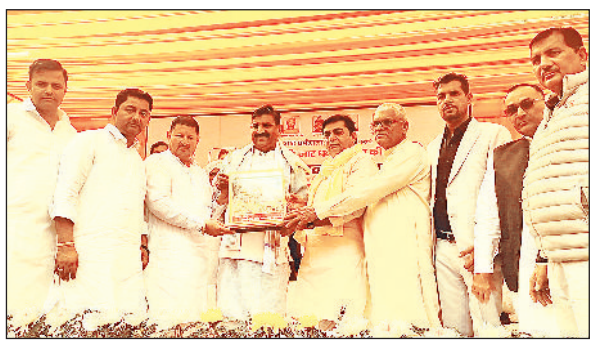

कुरुक्षेत्र। मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

धन्ना भक्त 36 बिरादरी के अनुयायी : डीडी शर्मा

अति वशिष्ठ अतिथि सुभाष सुधा ने कहा कि धर्मशाला का प्रशासन और समाज को हमेशा सहयोग मिलता रहा है धन्ना भक्त की प्रतिमा से प्रत्येक व्यक्ति को सरल जीवन जीने की प्रेरणा मिलेगी। वशिष्ठ अतिथियों में जयभगवान शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम 36 बिरादरी का कार्यक्रम है और धन्ना भक्त 36 बिरादरी के अनुयायी हैं। प्रदीप मोर ने कहा कि आडंबरों की वजह से भक्त और भगवान में बढ़े हुए अंतर को कम करने का काम किया है।

प्रधान कृष्ण श्योकंद ने किया अतिथियों का स्वागत

लेफ्टिनेंट डॉ. विरेंद्र खटकड़ ने कहा कि सबसे पहले जरूरतमंदो के लिए लंगर की शुरूआत धन्ना भक्त ने की थी। तीर्थ राणा ने धन्ना भक्त की प्रासंगिकता को वर्तमान में भी बताया है और धर्मशाला को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। धर्मशाला के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद ने कहा कि संत धन्ना भक्त खेती करने वाले 36 बिरादरी के प्रत्येक व्यक्ति के आराध्य हैं। उनकी शिक्षाओं को सर्वसमाज में पहुंचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और संस्था को सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभार प्रकट किया।

खबर संक्षेप

तेजधार हथियार से हमला करने पर केस

जींद। गांव घिमाना में रंजिशन तेजधार हथियार से हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर सदर थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव घिमाना निवासी संतोष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी राजेश परिवार से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते राजेश परिवार ने उसके पति राजेंद्र पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया।

रेलगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

कैथल। भगत सिंह कॉलोनी के नजदीक ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति रात को रेलवे ट्रैक पर गया था, वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। रात करीब 12 बजे यह हादसा हुआ।मृतक की अनुमानित आयु करीब 35 वर्ष आंकी जा रही है। हालांकि अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन जीआरपी पुलिस लगातार उसकी पहचान करने का प्रयास कर रही है।

पराली जलाने पर तीन किसानों पर मामले दर्ज

जींद। जिला पुलिस ने पराली अवशेष जलाने पर तीन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए है। कृषि विभाग के नोडल अधिकारी सौरभ ने पुलिस को को दी शिकायत में बताया कि सरकार ने पराली अवशेष जलाने पर रोक लगाई हुई है। बावजूद इसके गांव अलीपुरा निवासी शमशेर ने खेत में पराली को जलाया। वहीं गांव काब्रच्छा निवासी विजेंद्र तथा गांव सिंघाना निवासी देवेंद्र के खेत में भी पराली अवशेष जलाना पाया गया।

शराब तस्कर हथकढ़ी शराब सहित गिरफ्तार

कैथल। सीआईए-1 पुलिस द्वारा 1 आरोपी को काबू कर लिया गया। जिसके कब्जे से 30.25 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की सीआईए-1 पुलिस के एएसआई प्रदीप कुमार की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर गांव मालखेड़ी के पास नाकाबंदी की गई। जहां बाइक की टंकी पर एक प्लास्टिक कैनी रखे आ रहे संदिग्ध गांव कालवन जिला जींद निवासी प्रगट सिंह को पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया।

पुलिस पर हमला करने की वांछित आरोपी काबू

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना टीम ने ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत कार्रवाई करते हुए वर्ष 2022 में पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए नरवाना प्रभारी एसआई सुखदेव सिंह ने बताया कि दो मई 2022 को सीआईए टीम को सूचना मिली थी कि चार संदिग्ध पीपलथा निवासी राजेंद्र के घर पर छुपे हुए हैं। जो किसी बड़ी लूट व डकैती की वारदात को अंजाम देकर आए हैं।

छात्राओं को गलत इशारे करने वाला आरोपी काबू

कैथल। स्कूल जाने वाली छात्राओं को अश्लील इशारे करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को काबू के लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कैथल की एक कॉलोनी की 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग युवती की शिकायत अनुसार 7 नवंबर की सुबह वह अपनी छोटी बहन के साथ स्कूल जा रही थी।

काम की तलाश में रूस गया था जावेद, सेना में शामिल होने के बाद लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- परिजन बोले रुसी कर्नल ने काम का लालच देकर सेना में करवाया भर्ती, परिजनों से संपर्क टूटा, केंद्र सरकार से लगाई गुहार

काम की तलाश में रूस गए युवक के लापता होने से परिजन सदमे में हैं। युवक रूस में मजदूरी के लिए गया था लेकिन वहां एक कर्नल की बातों में आकर वह रूसी सेना में शामिल हो गया। प्रशिक्षण के कुछ दिनों बाद ही उसे बॉर्डर पर भेज दिया गया। अब 23 दिनों से उसका कोई अता-पता नहीं है।

परिवार ने केंद्र सरकार से अपने बेटे को जल्द से जल्द खोजकर वापस लाने की गुहार लगाई है। यहां का रहने वाला 32 वर्षीय मोहम्मद जावेद अगस्त 2025 में बेहतर कमाई की उम्मीद लेकर रूस गया था। वह अपने परिवार का एकमात्र सहारा था। घर पर बूढ़ी मां, पत्नी, तीन छोटे बच्चे और एक बहन हैं। शुरुआत में जावेद ने रूस में मजदूरी का काम किया, लेकिन कुछ समय बाद ज्यादा पैसों के लालच में वह एक एजेंट के संपर्क में आया। जिसने उसे "रूसी आर्मी में खोदाई (बंकर डिगिंग)" का काम दिलाने का झांसा दिया। जावेद की बहन ने बताया कि रूस में एक कर्नल ने उससे संपर्क किया और सेना में मजदूरी के तौर पर भर्ती होने का प्रस्ताव दिया। कर्नल ने कहा कि उसे सिर्फ बंकर खोदने का काम मिलेगा और इसके बदले में उसे अच्छी तनख्वाह दी जाएगी। जावेद ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और 15 दिन की ट्रेनिंग के बाद उसे बॉर्डर पर भेज दिया गया।

रूस में लापता जावेद का फाइल फोटो।

सुरक्षित भारत लाया जाए

बहन ने बताया कि उसने केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि हमारा भाई मजदूर बनकर रूस गया था, लेकिन उसे युद्ध में धकेल दिया गया। अब हमें नहीं पता वह जिंदा है या नहीं। सरकार से निवेदन है कि हमारे भाई को ढूंढा जाए और सुरक्षित भारत लाया जाए। जावेद के परिजन अब सरकार से मदद की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री से निवेदन करते हैं कि उनके बेटे का पता लगाया जाए। परिजनों ने कहा कि अब उनके घर में केवल दुआएं और आंसू बचे हैं। हर फोन की घंटी पर उम्मीद जगती है कि शायद जावेद का कॉल आया हो लेकिन फिर सन्नाटा छा जाता है।

परिजनों का कहना है कि शुरुआत में जावेद रोजाना परिवार से फोन पर बात करता था। उसने यह भी बताया था कि हालात बेहद कठिन हैं। चारों ओर तनाव का माहौल है। लेकिन 23 दिन पहले आखिरी बार फोन पर बातचीत में जावेद ने सिर्फ इतना कहा- मेरे बच्चों और पत्नी का ख्याल रखना। उसके बाद से परिवार का उससे कोई संपर्क नहीं हो पाया। जावेद की पत्नी और मां का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी ने बताया कि जब से जावेद गया है, घर की जिम्मेदारियां उस पर आ गई हैं। अब जब उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा, तो पूरा परिवार बेचैनी में है। जावेद की मां ने कहा कि वह हर दिन यही दुआ करती हैं कि उनका बेटा सकुशल लौट आए।

विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

लड़कियों में नैंसी व लड़कों में मोहित बने बेस्ट एथलीट

राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

- खेलों से जीवन में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित

राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य रोहित कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्राचार्य ने 39वीं खेल कूद प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की ओर उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से टीम भावना, आत्मविश्वास और शारीरिक व मानसिक विकास की प्रेरणा दी और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। कार्यक्रम में 100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर दौड़,400 मीटर रिले रेस,लेगेड रेस,गोला फेंक,लांग जंप, हाई जंप,भाला फेंक संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई।

शहजादपुर। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए प्राचार्य व अन्य। फोटो : हरिभूमि

उत्कृष्ट प्रदर्शन से मोहा मन

विद्यार्थियों में खेल भावना और उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और अपने प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया।छात्राओं ने भी कई प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महिला सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया। पूरे मैदान में ऊर्जा, उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला। खेल समिति संयोजक प्रो.संजीव कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस दो दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना का विकास करना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।समापन समारोह में प्राचार्य द्वारा विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार देकर पुरस्कृत और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है।इस दो दिवसीय प्रतियोगिताओं में बेस्ट एथलीट लड़कियों में नैंसी व बेस्ट एथलीट लड़कों में मोहित बीए फाइनल ने प्राप्त किया। मंच का संचालन डॉ प्रीति, डॉ जगदीप ने किया।इस खेल कूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व नॉन टीचिंग कर्मचारियों ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

सरकारी कार्यालयों पर बेसहारा पशुओं को छोड़ने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- बोले प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो जल्द तेज करेंके अपना आंदोलन

सुप्रीम कोर्ट के बेसहारा पशुओं को लेकर आए फैसले के बाद किसान फिर सक्रिय हो गए हैं। भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह के किसान नेताओं ने शनिवार को मीडिया से बातचीत कर जिला प्रशासन को अल्टीमेटम दिया। किसान नेताओं ने कहा कि अगर प्रशासन ने सड़कों से और गांव से बेसहारा घूमने वाले पशुओं को नहीं हटाया तो वह अपने आंदोलन को तेज करेंगे। इसके साथ ही सरकारी कार्यालयों पर पशुओं को छोड़ने का काम करेंगे।

किसान नेता जय सिंह जलबेड़ा ने कहा की पशु अब सड़कों से होते हुए जिला के सुदूर क्षेत्र में स्थित गांव के खेतों तक पहुंच गए हैं जिला प्रशासन इनके समाधान के लिए अभी तक कोई रास्ता तैयार नहीं कर पाया है। इसी प्रकार धान की पैदावार कम होने को लेकर भी किसानों ने प्रशासन से समीक्षा कराने को कहा है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले भी किसान सड़कों पर घूमने वाले बेसहारा पशुओं को पड़कर जिला प्रशासन के दरवाजे पर छोड़ चुके हैं। उसे दौरान भी अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि पशुओं को पकड़ने का अभियान चलाया जाएगा लेकिन बीते कुछ दिनों से पशुओं को पकड़ने का अभियान ठप पड़ा है।

अवैध नशामुक्ति केंद्र चलाने वाले काबू

बराड़ा। गांव साहा में अवैध नशामुक्ति केंद्र चलाने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो लोगों को काबू किया है जिनकी पहचान अक्षय कुमार वासी सिंगपुरा कॉलोनी व हरविंद्र सिंह के रूप में हुई। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशानुसार जमानत पर रिहा किया गया। सिविल सर्जन प्रतिनिधि ने 29 अगस्त 2025 को थाना साहा में शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी अवतार सिंह व अन्य ने गांव साहा में अवैध रूप से उम्मीद फाउडेंशन नशामुक्ति केंद्र चलाने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत

दूसरा युवक बुरी तरह जख्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

- अंबाला-यमुनानगर हाईवे पर गांव धीन के समीप कार और बाइक की टक्कर

अंबाला-यमुनानगर हाईवे पर गांव धीन के समीप कार और बाइक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार डुलियाना निवासी 25 वर्षीय मन्नी अपनी बाइक पर मनका-मनकी से दोसड़का की तरफ जा रहा था। धीन गांव पार करते ही पीछे से आ रही कार ने उसे टक्कर दे मारी जिससे जिससे वह नीचे गिर गया, इसी दौरान पैदल चल रहे धीन के करीब 48 वर्षीय सतेन्द्र पाल भी दोनों वाहनों की भिड़ंत का शिकार हो गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को एमएम अस्पताल मुलाना ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने सतेन्द्र पाल को मृत घोषित कर दिया जबकि मन्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि शुरूआत जांच में आया कि मन्नी साहा में किसी कंपनी में काम करता था और उसकी कंपनी मनका मनकी के पास प्लांट लगा रही थी। इसलिए वह मनका मनकी से वापस अपने गांव जा रहा था।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी नबी हसन को गिरफ्तार किया है। परिवादी साहिब सिंह ने 1 नवंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 27 अक्तूबर 2025 को आरोपी ने सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक अंबाला शहर के पास से उसकी मोटरसाइकिल चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरीशुदा एक्टिवा सहित आरोपी काबू: थाना अंबाला शहर क्षेत्र से चोरीशुदा एक्टिवा बेचने के मामले में पुलिस ने आरोपी कन्हैया उर्फ ननकू को गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी चोरीशुदा एक्टिवा बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना उपरांत पुलिस ने उसे काबू किया था। उसके कब्जे से चोरीशुदा एक्टिवा जब्त की थी।

- पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ अपने क्षेत्र में कार्य करेंगे

छावनी विधानसभा के बीएलए वन बने विशु धीमान, चित्रा ने दिया नियुक्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

युवा नेत्री चित्रा सरवारा ने अंबाला छावनी विधानसभा क्षेत्र-04 में निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विशेष धीमान 'विशु' को बीएलए-1 के रूप में नियुक्त किया। यह नियुक्ति पत्र चित्रा सरवारा के नेतृत्व में उनके कार्यालय द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर चित्रा सरवारा ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करना और हर मतदाता के अधिकार की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि बीएलए की टीम इस दिशा में पारदर्शिता और जनसहभागिता का प्रतीक बनेगी ताकि मतदाता सूची से लेकर मतदान केंद्र तक निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे। बीएलए की जिम्मेदारी मतदान सूची के पुनरीक्षण, मतदाता नामांकन, विलोपन और सुधार की प्रक्रिया में सहयोग देना, मतदान केंद्रों पर निगरानी रखना और जनता को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करना होती है। बीएलए स्थानीय स्तर पर निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करता है और यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न कटे और कोई भी अपात्र नाम गलत तरीके से शामिल न हो। सरवारा इससे पहले भी मतदाता सूची में अनियमितताओं और कथित वोट चोरी के मामलों को लेकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी हैं। यह मामला अभी न्यायिक विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस बार किसी भी तरह की अनियमितता को रोकने के लिए बूथ स्तर पर सशक्त नेटवर्क तैयार कर रही है। बीएलए की नियुक्तियां इसी दिशा में एक संगठित प्रयास हैं ताकि हर नागरिक का मत सुरक्षित रहे और लोकतंत्र की साख बनी रहे।

अंबाला। विशु को नियुक्ति पत्र देती चित्रा सरवारा। फोटो : हरिभूमि

लोकतंत्र में जनता की शक्ति सर्वोपरि

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद विशेष धीमान 'विशु' ने कहा कि उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए वे चित्रा सरवारा के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि वे पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ अपने क्षेत्र में कार्य करेंगे। चित्रा सरवारा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की शक्ति सर्वोपरि है, और वह तभी प्रभावी बनती है जब हर नागरिक अपने अधिकार और जिम्मेदारी दोनों के प्रति सजग हो। उन्होंने कहा कि बीएलए टीम इसी जनजागरूकता और सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करेगी ताकि भविष्य के चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और जनोन्मुख बन सकें।

मिड-डे मील का सामान चोरी

बराड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अधोया का मिड डे मील की रसोई से चोरी की वारदात सामने आई है। स्कूल प्रिंसिपल राजेश पराशर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती 28 अक्तूबर 2025 की रात को विद्यालय बंद होने के बाद किसी चोरों ने मिड डे मील की रसोईघर का ताला तोड़ दिया। रसोईघर का निरीक्षण किया, तो पाया गया कि वहां से एक एलपीजी गैस सिलेंडर, एक 15 लीटर का कुकर, 107 स्टील की प्लेटें और 33 स्टील के गिलास गायब मिले।

मोबाइल और नकदी छीनी

बराड़ा। साहा-तेपला मार्ग पर शुक्रवार को एक व्यक्ति से दो युवकों द्वारा लूटपाट की गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित मुकेश कुमार निवासी अंबाला शहर अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर साहा से तेपला जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने बाथरूम करने के लिए थोड़ी देर के लिए गाड़ी रोकी। तभी दो युवक वहां पहुंचे। उससे छीना-झपटी करने लगे और वह पीड़ित से मोबाइल फोन और 900 रुपये नकदी छीन कर फरार हो गए।

धोखाधड़ी का आरोपी जांच में शामिल

अंबाला। थाना बलदेव नगर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में आरोपी सौरभ को अदालत के आदेशानुसार शामिल जांच किया गया है। इस मामले के पीड़ित महिला ने 17 अक्तूबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 17 अप्रैल 2024 से 30 जून 2025 के दौरान आरोपी सौरभ व अन्य ने उसके पुत्र को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

सीवरेज मेनहॉल की सफाई के लिए 18.50 लाख रुपये में खरीदी क्लीनिंग ग्रैब मशीनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- श्रम मंत्री विज ने हरी झंडी दिखा सफाई कार्य के लिए रवाना किया

श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने व तंग गलियों में सीवरेज मेनहोल की सफाई प्रभावी तरीके से करने हेतु 18.50 लाख रुपये की लागत से दो "मेनहोल क्लीनिंग ग्रैब मशीनें" खरीदी गई है। मंत्री ने दोनों मशीनों को अपने आवास पर हरी झंडी दिखाते हुए शहर में सफाई कार्य के लिए रवाना किया। इस दौरान जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि तंग गलियों में सीवरेज साफ करने के लिए दो गाड़ियां लगाई गई हैं। जिन स्थानों पर सीवरेज सफाई के लिए बड़ी गाड़ी नहीं जा सकती वहां सीवरेज मेनहोल सफाई के लिए यह गाड़ियां कारगर साबित होगी। उन्होंने बताया कि छोटी गलियों में मेनहोल की सफाई के लिए हमें दिक्कत आती थी जहां बड़ी गाड़ियों से सफाई संभव नहीं हो पाती थी, मगर अब इन दोनों छोटी गाड़ियों के आने से सफाई बेहतर होगी। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन हरभजन सिंह व अन्य मौजूद रहे। गौरतलब है कि मेनहोल क्लीनिंग ग्रैब मशीन हाइड्रोलिक बकेट लगा होता है। हाइड्रोलिक सिस्टम से मेनहोल में गंदगी को खींचकर ऊपर लाया जाता है। उसे मशीन पर ही फिक्स बकेट पर डाला जाता है। इस प्रक्रिया में पूरा कार्य मशीन के माध्यम से ही किया जाता है।

उपायुक्त ने रक्तदाओं को किया प्रोत्साहित, बोले-रक्तदान सबसे बड़ा दान

रक्त की पूर्ति केवल मानव शरीर से ही संभव: अजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- सुलाहकुल सत्संग परिसर में शिविर का आयोजन

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान हैं। रक्त की पूर्ति केवल मानव शरीर से ही सम्भव हैं। रक्तदान करके हम अमूल्य जिंदगियों को बचा सकते हैं। सुलाहकुल सत्संग संस्था द्वारा शनिवार को यहां पर आयोजित रक्तदान शिविर में बढ़चढक़र भाग लेना सराहनीय कार्य हैं। उपायुक्त ने यह अभिव्यक्ति साहा स्थित श्री साहिब दयाल द्वारा सुलाहकुल सत्संग परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर मे आयोजित अपने संबोधन में कहे। उपायुक्त ने संस्था द्वारा समाज सुधार व समाज सेवा के क्षेत्र में जो कार्य किए जा रहे है उसकी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे अन्य को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान का जो कार्य होता है उसे मैं वीरता का कार्य मानता हूं। भगवान ने हमारे अन्दर ही एक ऐसी चीज बनाई है जिससे शरीर में रक्त की पूर्ति होती है। प्रतिदिन लोगों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है और इस कार्य में लोग रक्तदान भी करते हैं। साईंस क्षेत्र की बात करें तो विशेषज्ञों द्वारा रक्त का विकल्प ढूंढने के लिए प्रयोगशालाओं में कई वर्षो से प्रयोग किए जा रहे है लेकिन अभी तक उन्हें इसमें कुछ खास सफलता नहीं मिली हैं। रक्त की पूर्ति केवल मानव शरीर से ही सम्भव है। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना काल में संस्था द्वारा समाज हित के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए आगे आकर जो कार्य किए गए है वह भी काबिले तारिफ हैं।

अंबाला। रक्तदाता को बैज लगाते डीसी अजय सिंह तोमर। फोटो : हरिभूमि

रक्तदाताओं को बैज लगाकर किया प्रोत्साहित

उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा आज यहां पर 500 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा है वह भी काफी सराहनीय है। लोग स्वेच्छा से आगे आकर रक्तदान का जो कार्य कर रहे हैं। उन्होंने संस्था को यह भी कहा कि वे इस कार्य को निरन्तरता में जारी रखे। जिला प्रशासन की जो भी सहायता उन्हें चाहिए होगी उन्हें उपलब्ध करवाई जाएगी। उपायुक्त ने इस मौके पर रक्तदान शिविर का रिबन काटकर शुभारंभ भी किया और रक्तदाताओं को बैज लगाकर उन्हें प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस मौके पर संस्था से करनैल सिंह, जगतार, धर्मपाल, संदीप, एडवोकेट प्रवीन, विजय कुमार, नायब तहसीलदार हरिओम, ब्लड बैंक के इंचार्ज के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक रविवार 9 नवंबर 2025

हम सब जानते हैं कि देश-समाज का भविष्य हमारे नौनिहालों के हाथों में है। इसलिए उनके लालन-पालन से लेकर उनके समग्र विकास पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। नए दौर में बच्चों के सामने कैसी चुनौतियां हैं, उन्हें किन स्तरों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, इसे हमें समझना होगा। तभी उनका बचपन सुरक्षित होगा और उनके साथ देश-समाज का भविष्य भी बेहतर बन सकेगा।

हमारी सजगता से बच्चों को मिलेगा
सुरक्षित बचपन-बेहतर भविष्य

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर भारत में बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका पारंपरिक अर्थ रहा है- बच्चों की मासूमियत और जिज्ञासा को सहेजना। लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि जब से बाल दिवस शुरू हुआ था, तब से अब तक इसके भावनात्मक अर्थ पूरी तरह से बदल चुके हैं। कभी यह बच्चों को टॉफी देने, उनसे कार्यक्रम करवाने और स्टेज से उन्हें अच्छी-अच्छी बातें सुनाने का दिन हुआ करता था। लेकिन 21वीं सदी के इस 25वें साल में बाल दिवस का मतलब हर बच्चे को डिजिटल, मानसिक और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बचपन देना है।

बदल गए बाल दिवस के मायने

आज बच्चों से मुखातिब होने का मतलब उन्हें केवल शिक्षा और पोषण तक सीमित रखना नहीं है बल्कि आज के बच्चों का एक्सपोजर- एआई, सोशल मीडिया, मोबाइल एडिक्शन, जलवायु संकट और करियर को लेकर तरह-तरह के दबावों से घिरा हुआ है। आज बचपन के चारों तरफ नई-नई चुनौतियां हैं, जिन्हें शायद आज के चार दशक पहले के बच्चे जानते तक नहीं थे। इसलिए साल 2025 में बाल दिवस का वही मतलब नहीं है, जो 1970 या 80 में हुआ करता था। आज बाल दिवस का मतलब बच्चों को सुरक्षित, स्वतंत्र और खुशहाल इंसान बनाने का सपना ही नहीं बल्कि उन्हें उचित अवसर देना भी है। इसलिए आज यह दिन बच्चों को याद करने का नहीं, उनकी दुनिया को बेहतर बनाने का दिन है। आज यह दिन हममें उनके भविष्य के निर्माण के प्रति चिंता पैदा करता है। नई सदी की नई चुनौतियों के अनुरूप आज बच्चों के बचपन को संजोने से आगे बढ़कर उन्हें भविष्य के अनुरूप इंसान गढ़ने का दिन है।

कई दबावों से घिरा है बचपन

पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उनका सोचना था कि अगर बच्चों को सही दिशा में सोचने, सवाल करने और सीखने की आजादी मिले तो वे आपकी कल्पना से भी ऊंची उड़ान भर सकते हैं। लेकिन हमने आजादी के बाद के पिछले 80 सालों में बचपन को फलने-फूलने के लिए एक खुला वातावरण देने की बजाय आज के बच्चों को प्रेशर कुकर पीढ़ी बना दिया। आज दस साल का बच्चा भी अपने करियर की उस तरह चिंता करता है, जैसी चिंता आजादी के तुरंत बाद के दिनों में 40 साल के अधेड़ भी नहीं करते थे। उस जमाने में बचपन का मतलब होता था- खेलना, बेफिक्र होकर जीना और जीवन की असफलताओं से गुजरकर सफलता की ओर बढ़ना। लेकिन आज स्थिति एकदम बदल गई है। ऐसा माहौल बन गया है जैसे आज जीवन में असफलता के लिए कोई जगह ही नहीं है। आज की तारीख में दस-बारह साल के बच्चे एक नहीं कई-कई क्षेत्रों में पारंगत बनने के लिए वैसी गंभीर ट्रेनिंग लेते हुए मिल जाएंगे, जैसे कभी वयस्क लिया करते थे।

बच्चों के बीच न पनपे असमानता

डिजिटल युग में बचपन की बाधाएं बिल्कुल अलग हैं। आज 27 करोड़ बच्चे इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। अब किताबों से पहले उनके हाथ में स्मार्ट मोबाइल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिन्हें जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी हासिल नहीं हैं। ऐसे में भला देश के सभी बच्चे एक तरह से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? यहां स्मार्ट फोन रखने वाले बच्चे ऑनलाइन शिक्षा, कोडिंग, डिजाइन और उद्यमिता के भविष्य का पाठ अपनी स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वहीं करोड़ों गांवों, कस्बों के बच्चों के लिए ये पाठ उनकी जिंदगी शुरू हो जाने के बाद भी मुश्किल से शुरू हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह से व्यवस्था करके भारत में बच्चों के बीच असमानता की इस बड़ी खाई को पाटना होगा। आज बड़े पैमाने पर नई पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि अब डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी नहीं बल्कि उस मोड़ पर आ गई है, जहां इसे नैतिक शिक्षा का भी हिस्सा बनना चाहिए। बच्चों को आज यह बताना जरूरी है कि डिजिटल माध्यम उनके अच्छे भविष्य को संवारने का साधन मात्र है, साध्य नहीं।

भविष्य के लिए करना होगा तैयार

आज बाल दिवस के मौके पर हम बच्चों को कोई चीज समझाने के लिए रटाने की जिद नहीं कर सकते बल्कि उन्हें समस्या का हल निकालने का मैथड समझाना होगा, साथ ही नैतिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें भरनी होगी, ताकि वह भविष्य में सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में ही सफल न हों बल्कि जीवन जीने के मामले में भी बेहद कामयाब हो सकें। आज बच्चों में पर्यावरणीय चेतना जगाना एक्स्ट्रा एक्टिविटी नहीं, न उनको विशेष बनाना है बल्कि यह जीने की जरूरी गतिविधि का हिस्सा है।

इसी तरह बच्चों में समानता और समावेशिता की सीख देना सिर्फ उन्हें बेहतर इंसान बनाने की कोशिश नहीं है बल्कि उन्हें आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में योग्य बने रहने का जरूरी गुण है और याद रखिए, आज के बच्चों को न तो पूरी तरह से घर की जिम्मेदारी पर छोड़ा जा सकता है और न ही मां-बाप उन्हें बेहतर इंसान और सफल नागरिक बनाने की सारी जिम्मेदारी स्कूलों पर डाल सकते हैं। यह स्कूलों और घरों के साझे अभियान का समय है। अगर हम बच्चों को भविष्य का सफल और शिष्ट नागरिक बनाना चाहते हैं, तो उन्हें आगामी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। तभी बाल दिवस मनाना भी सफल होगा। *

बच्चों के तनाव को करें दूर

साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के मुताबिक आज हर सात में से एक बच्चा किसी न किसी तरह के मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मोबाइल युग के पहले ऐसा खतरा दूर-दूर तक नहीं होता था। आज बच्चों के सामने परीक्षा का डर, सोशल मीडिया की चिंता और माता-पिता की उम्मीदों की धुकधुकी उन्हें सहज नहीं होने देती। अगर हम बच्चों को भविष्य का स्वस्थ और सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो हमें उनके स्वास्थ्य को लेकर सहानुभूति से सुनने की सोच बदलनी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग सेल, ओपन टॉक सेशन और इमोशनल लिट्रेसी प्रोग्राम लागू करने की बेहद जरूरत आन पड़ी है। आज बाल दिवस बड़ी शिद्दत से हमें याद दिलाता है कि बच्चों में भावनात्मक मजबूती, उनके सफल होने की बुनियादी शर्त है। साथ ही आज बदलते युग की जरूरतों में किसी न किसी कुशलता में दक्ष होना और अपनी गतिविधियों में वैल्यू एडिशन करने की क्षमता पाना भी जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि साल 2030 के बाद मशीनें सिर्फ मशीनें नहीं रहेंगी, वह इंसान से भौतिक प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। आने वाले दिनों में परंपरागत नौकरियां बदल जाएंगी। इसलिए आज की पीढ़ी को सीखना ही नहीं बहुत सतर्कता और सावधानी से अपनी क्रिएटिविटी और कोलेबरेशन की क्षमता को भी साथ-साथ बढ़ाना है।

विशेष: बाल दिवस
14 नवंबर

दायित्व
डॉ.अनिता राठौर

पैरेंट्स-टीचर्स जरूर समझें
बच्चों की जरूरतें-समस्याएं

हर साल मनाए जाने वाले बाल दिवस का आशय हमें इस बात का एहसास भी कराना है कि कैसे आने वाले समय में बच्चे अपनी कल्पना, मासूमियत और संवेदनशीलता को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ सकें? लेकिन सवाल है क्या आज अभिभावक और अध्यापक सचमुच बच्चों के रोजमर्रा की जरूरतों को समझते हैं? क्या तकनीक के बदलाव के इस दौर के बच्चों की जुबान और उनके मन पर तेजी से पड़ रहे प्रभावों को वो समय के अनुरूप समझ पा रहे हैं और इसको ध्यान में रखते हुए उनके विकास की जरूरत की भाषा बोल-समझ पा रहे हैं?

बदलें अपनी मानसिकता: जिस तरह से इंटरनेट, सोशल मीडिया, स्मार्ट क्लास, डिजिटल गेम्स और जूम्स गैदरिंग ने आज की समूची जीवनशैली को बदलकर रख दिया है, उस जीवनशैली को आज की एक दशक पुरानी भाषा से न तो समझा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। लेकिन सवाल है, क्या आज भी कई दशक पुराने अध्यापक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की बागडोर अपने हाथों से संभाले हुए हैं, उन्हें डिजिटल युग के इन बच्चों की अभिव्यक्ति की भाषा समझ में आती है? क्या वे उन्हें उनके अनुरूप भाषा में जवाब दे पा रहे हैं? यह सिर्फ अध्यापकों के समक्ष का सवाल नहीं है। सच तो यह है कि यह बात अभिभावकों पर भी पूरी तरह से लागू होती है। आज के बच्चों का बचपन सिर्फ खेल के मैदान में नहीं बल्कि खेल के मैदान में कम, स्क्रीन की रोशनी के बीच ज्यादा बीतता है। लेकिन उनके अधिकांश अभिभावक साथ ही अध्यापक भी आज भी 90 के दशक की उस मानसिकता में अटके हुए हैं, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे किताबों में डूबे रहें, अपनी क्लास में सबसे ज्यादा नंबर लाएं, बड़ों की बातों को बिना सवाल किए मानें और घर में जब रिश्तेदार आएं तो उनके सामने वे अपने मां-बाप और रिश्तेदारों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब गर्दन नीची करके दें।

बदल गई बच्चों की मनःस्थिति: आज के बच्चों की मनःस्थिति बिल्कुल बदल गई है। सच तो यह है कि आज के तेज रफ्तार विकास और चमत्कारिक हो चली तकनीकी के इस युग में उनके मनो-मस्तिष्क में जिज्ञासाओं और आशंकाओं की तेज रफ्तार के अंधड़ चल रहे हैं। फिर भी अभिभावक हों या अध्यापक, उनसे 90 के दशक के बच्चों की तरह ही अनुशासन और आज्ञाकारिता की मांग करते हैं। मां-बाप और स्कूल टीचर बच्चों को आज भी पुराने खांचे और सांचे में ढाले रखना चाहते हैं। आज के मां-बाप और अध्यापक इस बात को समझ ही नहीं रहे कि तेजी से आ धमके डिजिटल युग ने किशोरों की समूची मानसिक संरचना को बदल कर रख दिया है। आज 14 से 16 साल के बच्चे न सिर्फ भविष्य के अपने करियर को लेकर चिंतित हैं बल्कि अपने लाइफस्टाइल को लेकर भी उन पर अभी से दबाव है।

आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं यानी, ऐसी पीढ़ी जो तकनीक के साथ पैदा हुई है और समझती है कि उन्हें डांटने और रोकने की इजाजत भी मां-बाप के पास नहीं होनी चाहिए।

समझें नए दौर के बच्चों की जरूरतें: एक बड़ी समस्या यह भी है कि आज अभिभावक अपने बच्चों की ज्यादातर जरूरतों को भौतिक रूप ही समझते हैं। जैसे- उनका स्कूल अच्छा होना चाहिए, उनके पास अच्छी क्वालिटी का मोबाइल होना चाहिए, वो प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर या ट्यूटर से कोचिंग पढ़ें और उनके कपड़े अच्छे से प्रेस (इस्त्री) होने चाहिए। मां-बाप भूल जाते हैं कि बच्चों की इन सब चीजों के अलावा भी जरूरतें हैं। उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतें। लेकिन यह सिर्फ मां-बाप की ही कहानी नहीं है, आज के अध्यापक भी भूल जाते हैं कि उनके छात्र, उनसे टेक्नोलॉजी में कुशलता के अलावा जीवन की कठिन गांठों को सुलझाने की उम्मीद भी रखते हैं। आज के किशोरों के दिल की बात सुनने वाला कोई नहीं है, न स्कूल में अध्यापक, न घर में मां-बाप।

जी लेने दें बच्चों को बचपन: आज अभिभावकों और अध्यापकों को ठहरकर इन बातों पर गौर करना चाहिए। ऐसे संक्रमण काल में यह जरूरी है कि अध्यापक और अभिभावक दोनों ही बच्चों के दिल की आवाज को गंभीरता से सुनें। आज भी बच्चों को उनकी रुचियों के मुताबिक जीने और बचपने का आनंद लेने की छूट दी जानी चाहिए, जिसके लिए जरूरी है कि अभिभावक और अध्यापक दोनों ही आज के बचपने की भाषा को गंभीरता से समझें, तभी इस सब कुछ की संभावना वाले युग में बच्चों का बचपन शानदार और खुशियों से भरा होगा। *

गजल
प्रताप सोमवंशी

वो सारा दर्द छुप जाता था जो घर-बार के अंदर
वही दिखने लगा है आज-कल अखबार के अंदर

वो घर के एक बूढ़े की तरह सबसे निभाता है
मुसीबत छह दिनों की छुप गई इतवार के अंदर

ये रिश्ते तौलना, गिनना, उठाना, देखना, रखना
ये हम परिवार के अंदर हैं या बाजार के अंदर

वहां रिश्तों की खिड़की पर है कितने कीमती पर्दे
घुटन महसूस होती है मुझे दीवार के अंदर

किसी को भी कभी शीशे के जैसे मत समझ लेना
बहुत चुभता है जब टूटा है कुछ किरदार के अंदर

भलाई सिर्फ इतना चाहती है सौंपकर सबकुछ
बदल जाए कहीं दुनिया में कुछ दो-चार के अंदर

बहुत मजबूत होते हैं ये मजबूरी के कांधे भी
जो पूरा गांव ढो कर रख गए बाजार के अंदर

व्यंग्य / विनय मोघे

मोबाइल का बवाल

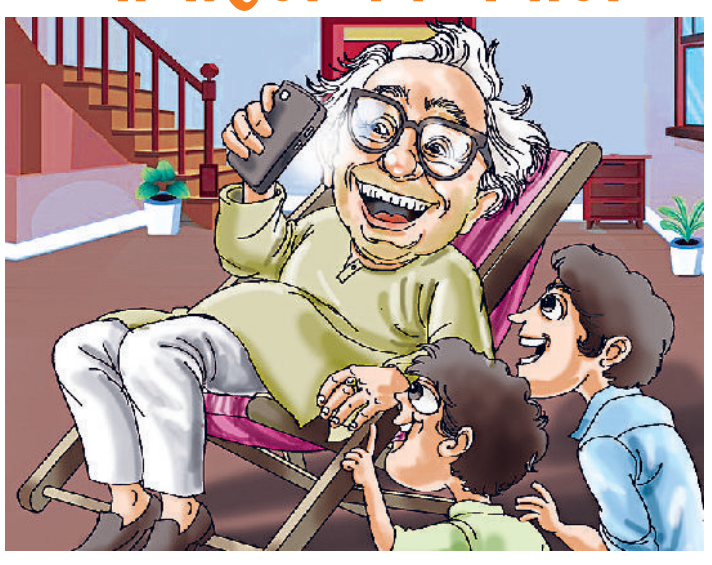

सत्तर वर्षीय ख्यालीराम का परिवार चिंतित है, क्योंकि ख्यालीराम ने अन्न-जल त्याग देने की घोषणा कर दी है। कारण यह है कि घरवालों ने उनका मोबाइल उनसे ले लिया है। अब उनका फेसबुक, व्हाट्सएप सब बंद है। दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है, इसीलिए उन्होंने अन्न-जल से अपना, संपर्क तोड़ लेने की ठान ली है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें अच्छा वाला स्मार्टफोन दिलाया था। उनके पौत्रों ने उनके मोबाइल पर कई सारे एप्स डाउनलोड कर दिए थे। ख्यालीराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कांपते हाथों और कमजोर नजरों से ख्यालीराम उन एप्स का उपयोग करने लगे। बस यहीं से उनकी और उनके परिवार की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया।

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। साथ ही में RIP की जगह दो बार PIP-PIP भी लिख दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए थे। हर बर्थ-डे और एनिवर्सरी पर सेम गलती करते या उनसे कोई और गलती हो जाती है। केक के चित्र की जगह या तो दूध की बोतल वाला चित्र भेज देते या कुत्ते को दी जाने वाली हड्डी का। बधाई संदेशों को खुद टाइप नहीं कर पाते तो कॉपी पेस्ट कर दिया करते। ऐसे में कभी एनिवर्सरी के उनके संदेश में अकसर पति-पत्नी की जोड़ी बदल जाती थी। पतियों को शायद उनका ऐसा करना अच्छा लगता हो पर पत्नियां नाराज हो उठती थीं। उनकी गलतियों से बचने के लिए उनके दोनों पौत्रों ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजने का आइडिया सुझाया। एक बर्थ-डे पर उन्होंने जो वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें सिर्फ उनके खांसने की आवाज और दो बार 'हे राम, ये खांसी तो मार ही डालेगी मुझे।' सुनाई दिया। पूरे मैसेज में बर्थ-डे का जिक्र कहीं नहीं हुआ।

फेसबुक पर अपने पुराने मित्रों, सहेलियों को ढूंढने के चक्कर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले कई लोगों को अपना मित्र बना लिया था। कुछ ही दिनों में उनके मित्रों की कुल संख्या सैकड़ा पार कर गई थी, जिनमें असली मित्र बहुत ही कम थे। कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण उनके फेसबुक मित्रों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही थी। एक दिन किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप पर उनके कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण 43 इंच एलईडी टीवी ऑर्डर हो गया, वो भी 'कैश ऑन डिलीवरी।' जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन घरवालों ने उनसे मोबाइल वापस ले लिया। मोबाइल के आदी हो चुके ख्यालीराम अब अन्न-जल के बिना रह सकते हैं पर मोबाइल के बिना नहीं। घरवाले सोच रहे हैं, उन्हें अन्न-जल दें या मोबाइल? *

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो ख्यालीराम के कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए।

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

जीने का रास्ता दिखाती कहानियां

समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है। इस बदलाव की सबसे बड़ी मार परिवार, रिश्ते, नाते और हमारी संवेदनाओं पर पड़ी है। हर किसी की जिंदगी में हर दिन कुछ ना कुछ टूट रहा है, बिखर रहा है। तकनीक की तरक्की ने दूरियों को और बढ़ाने का काम किया है। इन्हीं दूरियों, बिखराव और भटकाव के बीच जीने का रास्ता तलाशती हैं 'पा की डायरी' की कहानियां। इस पुस्तक की लेखिका आशा शर्मा हैं। लेखिका अपनी इन कहानियों में एक स्वप्न बुनती हैं। स्वप्न जिसमें परिवार का साथ, रिश्तों में नमी व स्त्री की स्वतंत्रता हो। शीर्षक कहानी 'पा की डायरी' दांपत्य प्रेम की अनूठी बानगी है। एक डायरी जो जीवन भर पत्नी को परेशान करती रही। पति के मृत्यु के बाद उसका रहस्य खुलता है, जो पत्नी को हैरान कर देता है। 'दिमाग वाली लड़की' आज की आत्मचेता स्त्री के स्वाभिमान की कहानी है। 'अधबुना स्वेटर' में लेखिका ने रिश्तों की गर्माहट की बड़ी आत्मीय कहानी लिखी है। 'प्रतिरूप', 'पिघलती बर्फ', 'जी ले जरा' आदि कहानियां भी जीवन के उतार-चढ़ाव को खूबसूरती से उकेरती हैं। कह सकते हैं कि ये आज के जटिल समय की कहानियां हैं। मगर लेखिका ने इसे बड़े सरल तरीके से लिखा है। बिल्कुल सुलझे अंदाज में। *

पुस्तक: पा की डायरी (कहानी संग्रह),
लेखिका: आशा शर्मा, **मूल्य:** 260 रुपए,
प्रकाशक: समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली

एआई इमेज

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

बड़ा आदमी

सुभाष के बारह वर्षीय बेटे राहुल ने मचलते हुए कहा, 'पापा, मुझे बड़ा आदमी बनना है।'

'इस सीढ़ी पर चढ़कर बैठ जा।' सुभाष ने दीपावली की सफाई के लिए निकाली गई सीढ़ी की ओर इशारा करते हुए मजाकिया ढंग से कहा।

राहुल भी हंसी-हंसी में सीढ़ी के तीन डंडों पर चढ़कर ऊपर बैठ गया।

पिता ने पहले अपने और फिर उसके सिर पर हाथ ले जाते हुए बताया, 'देखो, अब तुम मुझसे भी बड़े हो गए। ध्यान दो, तुम एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए बड़े बने हो।'

राहुल ने शिकायती लहजे में कहा, 'ऐसे नहीं, मुझे सचमुच का बड़ा आदमी बनना है।'

'इसके लिए तुम्हें अपने ही आस-पास के किसी बड़े आदमी को ढूंढना होगा, उसके समीप रहना होगा और फिर उसके जैसा बनने की कोशिश भी करनी होगी।'

राहुल ने सवाल किया, 'लेकिन कोई बड़ा आदमी है, मैं कैसे पहचानूंगा?'

'हां, यह समस्या तो है। पहले के समय में पहचान का तरीका अलग था। कोई सज्जन होता था, ज्ञानी होता था, समाज के हित के लिए काम करता था तो उसे बड़ा आदमी माना जाता था। आज के जमाने में किसी व्यक्ति के आस-पास के लोगों को व्यवहार देखकर यह जाना जाता है।' सुभाष ने बताया।

'उस व्यक्ति के बजाय उसके आस-पास के लोगों का व्यवहार देखकर पहचाना जाएगा कि वह कितना बड़ा आदमी है?' राहुल ने आश्चर्य से पूछा।

'हां!' पिता सुभाष ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, 'कोई आदमी कहीं पहुंचे तो उसे आता देखकर वहां बैठे सारे लोग खड़े हो जाएं, वह आकर बैठ जाए तो सभी बैठ जाएं, वह आदमी चलने के लिए उठकर खड़ा हो तो शेष लोग भी खड़े हो जाएं, उसे छोड़ने बाहर तक जाएं, तब समझो कि वह बड़ा आदमी है।' *

सेलिब्रेशन / शिखर चंद जैन

अपने भारत देश में तो बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रत्येक वर्ष 20 नवंबर को बाल दिवस मनाता है। लेकिन दुनिया के तमाम देशों में अलग-अलग महीनों/दिनों में बाल दिवस अनोखे अंदाज में मनाया जाता है। इनमें से कुछ देशों में कैसे मनाते हैं बाल दिवस, जानिए।

दुनिया भर में मनाते हैं बाल दिवस

बच्चों को पूरी दुनिया में प्यार किया जाता है। यही वजह है कि दूसरे दिवस भले ही दुनिया में हर जगह न मनाए जाते हों लेकिन चिल्ड्रेंस-डे दुनिया के लगभग हर देश में मनाया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि साल के हर महीने में कहीं ना कहीं चिल्ड्रेन-डे मनाया जाता है। दुनिया भर में 90 से ज्यादा देशों में बच्चों के सम्मान में एक समर्पित राष्ट्रीय अवकाश है। इस अवकाश को बाल दिवस के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं, दुनिया के कुछ देशों में कैसे मनाते हैं बाल दिवस-

कोडोमो नो हि जापान

जापान में, बाल दिवस हर वर्ष 5 मई को मनाया जाता है। सन 1948 से यह राष्ट्रीय अवकाश है। इसे दो त्योहारों के रूप में मनाया जाता था, टैंगो नो सेक्कु (लड़कों का दिन) और हिनामात्सुरी (लड़कियों का दिन)। जापान में बाल दिवस मनाने का सबसे प्रसिद्ध तरीका काबूतो और गोगात्सु-निंग्यो जैसे पारंपरिक आभूषणों को प्रदर्शित करना होता है। काबूतो एक पारंपरिक समुराई हेलमेट है, जो अकसर सबसे सुंदर सजावट के साथ होता है। गोगात्सु-निंग्यो कवच और जापानी तलवार से सुसज्जित जापानी योद्धा गुड़िया का प्रतीक है। लोग उन्हें घर पर प्रदर्शित करते हैं। 'कोडोमो नो हि' यानी बाल दिवस जापान में एक राष्ट्रीय अवकाश है। कोइनोबोरी नामक रंगीन झंडे उत्सव के विशेष प्रतीक हैं, जिन्हें इस दिन घरों के बाहर खंभों पर लटकाए जाते हैं। जापानी में, कोइ का मतलब कार्प होता है। यह एक प्रकार की मछली है, जो शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक है और नोबोरी का मतलब है ऊपर उठना। बाल दिवस के अवसर पर टोक्यो के राष्ट्रीय कासुमीगाओका स्टेडियम में बच्चों का ओलंपिक भी आयोजित किया जाता है, जिसमें हजारों बच्चे और उनके अभिभावक दौड़ में भाग लेते हैं।

डिया डेल निनो मेक्सिको

मेक्सिको में बाल दिवस की शुरुआत सन 1925 में हुई थी। इस उत्सव की शुरुआत अल्वारो ओब्रेगॉन के राष्ट्रपति काल के दौरान हुई थी, जब प्रथम विश्व युद्ध से प्रभावित यहां के कमजोर बच्चों के कल्याण की योजनाएं बनाई जा रही थीं। मेक्सिको में बाल दिवस 30 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन बच्चे स्कूल जाते हैं, लेकिन रेग्युलर क्लास नहीं चलती। सारा दिन खेल खेलने, पिनाटा बनाने और तोड़ने, संगीत का आनंद लेने और बहुत सी मजेदार एक्टिविटीज करने में व्यतीत होता है। स्कूल के बाद, परिवार अपने बच्चों को संग्रहालयों, सिनेमाघरों और चिड़ियाघरों जैसी जगहों पर घुमाने ले जाते हैं, जहां आमतौर पर उस दिन बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश होता है। कुछ रेडियो और टेलीविजन प्रोग्राम होस्ट करने वाले बच्चों को अपने शो में बुलाते हैं।

यूरिनी नाल, दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया में बाल दिवस पर्व को राष्ट्रीय अवकाश होता है। इस दिन आयोजित होने वाले समारोहों में परेड, तमाशा, पार्टियां, पिकनिक और ताइक्वांडो प्रदर्शन शामिल हैं। इस सूची में पर्वतीय पद यात्राएं, नदी किनारे तंबू लगा कर रहने और मौज मस्ती करने जैसी गतिविधियां भी शामिल हैं। इस मौके पर बच्चे पारंपरिक कपड़े पहनते हैं और परिवार के साथ संग्रहालयों, पार्कों में मस्ती करने और फिल्म देखने जाते हैं। कई जगहों पर इस खास दिन के लिए बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिया

जाता है। इस दिन बच्चे दक्षिण कोरियाई शिल्प की वस्तुएं बनाते हैं, जैसे कि हाथ में पकड़ने वाला सोगो ड्रम, कमल का लालटेन या सैम ता, गुक पंखा। इस अवसर पर चावल से बने कोरियाई व्यंजन, पारंपरिक खाद्य पदार्थ जैसे मांडू (मांस और सब्जियों से बना पकौड़ा) कुजुलपैन (पैनकेक के अंदर लपेटे गए मांस और सब्जियों के स्ट्रिप्स), सोलोंगटैंग, चावल के केक जो आधे-चंद्रमा के आकार के होते हैं आदि का लुत्फ भी उठाया जाता है।

लिउयी गुओजी एर्तोंग जिए चीन

चीन में बाल दिवस सन 1949 से मनाया जा रहा

है। यहां इसे हर वर्ष 1 जून को मनाया जाता है। कुछ स्कूलों में, इसे बच्चों को समर्पित विशेष प्रदर्शनों के साथ मनाया जाता है। कई पर्यटक केंद्रों पर इस दिन बच्चों के लिए प्रवेश पर कुछ छूट दी जाती है या पूरी तरह से निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। चीन में इस दिन अधिकतर परिवार अपने बच्चों के साथ समय बिताते हैं और पसंदीदा भोजन बनाते, खाते हैं।

ते रा ओ नगा तामारिकी न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड में बाल दिवस को 'ते रा ओ नगा तामारिकी' के नाम से जाना जाता है और यह हर साल मार्च के पहले रविवार को मनाया जाता है।

इस दिन वहां पूरे देश में मजेदार सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें खेल, कार्निवल की सवारी, भोजन, पारंपरिक हाका नृत्य और बहुत कुछ शामिल होता है। k

अपने देश में मनाते हैं चाचा नेहरू का जन्मदिन

हमारे देश में 14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे बच्चों में चाचा नेहरू के नाम से लोकप्रिय थे। इससे पहले सन 1964 तक बाल दिवस 20 नवंबर को मनाया जाता था। दरअसल, सन 1954 में संयुक्त राष्ट्र ने 20 नवंबर को बाल दिवस के तौर पर मनाने का ऐलान किया था, जिसके चलते हर साल 20 नवंबर को ही बाल दिवस मनाया जाता था। लेकिन 1964 में जवाहर लाल नेहरू के निधन के बाद बाल दिवस भारत में 14 नवंबर को मनाया जाने लगा। इस दिन बच्चों के लिए सभी स्कूलों में मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्हें तरह-तरह के खेल खिलाए जाते हैं और गिफ्ट भी दिए जाते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में कई जगह राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित करती हैं।

बिहार के सोनपुर में सदियों से लगने वाले पशु मेले की वैश्विक ख्याति और इसका आकर्षण बरकरार है। आज से शुरू हो रहा यह मेला 10 दिसंबर तक चलेगा। इस मेले की खासियतों पर एक नजर।

बरकरार है सोनपुर मेले का आकर्षण

सांस्कृतिक उत्सव

धीरज बसाक

आज का दौर इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल पेमेंट और ई-कॉमर्स का है। यहां तक कि लोग अब पालतू पशुओं की खरीदारी के लिए भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे समय में भी बिहार का सोनपुर पशु मेला सदियों से न सिर्फ आज भी लग रहा है बल्कि उसका पहले की तरह आकर्षण भी बरकरार है, जो इस मेले की आर्थिक और सांस्कृतिक महत्ता को खुद ही बखान कर रहा है।

लोकजीवन की जड़ों से जुड़ा मेला: सोनपुर का पशु मेला न केवल पशुओं की खरीद-फरोख्त की दृष्टि से एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला है बल्कि यह धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिकी दृष्टि से भी विशिष्ट आयोजन है, जिसकी चमक सदियों से बरकरार है। इस मेले में पशुओं का व्यापार तो

होता ही है, अपितु यह भक्ति, संस्कृति और लोक परंपराओं का भी महाकुंभ है। यह मेला बिहार ही नहीं, पूरे भारत की ग्रामीण आत्मा और उसकी जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करता है।

सदियों से लग रहा मेला: सोनपुर के पशु मेले का इतिहास 2,000 साल पुराना है। माना जाता है कि कृषि एवं अन्य कार्यों के लिए उपयोगी पशुओं की खरीद-बिक्री यहां मौर्य काल से होती आ रही है। गंगा और गंडक नदियों के संगम पर सोनपुर में लगने वाला यह मेला अपने पीछे कई पौराणिक आख्यानों की थाती समेटे हुए है, तो ग्रामीण जीवन की परंपरा का सबसे विश्वसनीय स्रोत भी है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार: सोनपुर का पशु मेला भारत की पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक बड़ा केंद्र है। इस मेले में गाय, भैंस, बैल, घोड़े, ऊंट और हाथी बिकते हैं। कभी यह एशिया का सबसे बड़ा हाथी बाजार हुआ करता था। हालांकि आज यह हाथी बाजार बहुत छोटा और विरासत के रूप में ही मौजूद है। यह मेला स्थानीय किसानों और पशु पालकों के लिए कमाई का एक बड़ा अवसर होता है। हाल के सालों में बिहार सरकार ने इसे 'एग्रीकल्चर एंड लाइवस्टॉक केयर' के रूप में विकसित किया है।

परंपरा का डिजिटलीकरण: सोनपुर पशु मेला अब भौतिक रूप में तो लगता ही है, इसका एक बड़ा और व्यापक डिजिटल संस्करण भी मौजूद है। बिहार पर्यटन विभाग की वेबसाइट, सोशल मीडिया एकाउंट और ऑनलाइन बुकिंग सुविधाओं के जरिए देशभर के लोग इस मेले से न केवल डिजिटल दुनिया में रू-ब-रू होते हैं बल्कि वो डिजिटल तरीके से खरीद-फरोख्त भी करते हैं। एक तरह से यह डिजिटल और पारंपरिक लोकजीवन का संगम बन गया है।

लोक-संस्कृति की झलक: इस मेले में देश-विदेश के लाखों पर्यटक, किसान और व्यापारी सिर्फ घूमने, खरीदने-बेचने के लिए ही नहीं आते, बल्कि इस मेले की सांस्कृतिक आत्मा को जीने के लिए भी आते हैं। इस सदियों पुराने पशु मेले में आज भी हर तरफ लोक-नृत्यों, लोकगीतों, नुक्कड़ नाटकों, हस्तशिल्प और लोकभोजनों का खुशबू भरा आकर्षण मौजूद होता है। वास्तव में इस मेले में आकर हम एक ऐसे ग्रामीण भारत से रू-ब-रू होते हैं, जिसकी चमक और खनक आज भी पूरी दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करती है। विदेशी पर्यटकों के लिए तो यह पशु मेला भारत की ग्रामीण संस्कृति का 'ओपन एयर म्यूजियम' की तरह है। बिहार सरकार सोनपुर मेले को हेरिटेज टूरिस्ट प्लेस के रूप में भी प्रमोट करती है, जिससे स्थानीय लोगों की आय में इजाफा होता है और वैश्विक स्तर पर भारत की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है।

सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव का अवसर: सोनपुर का मेला सिर्फ व्यापार मेला नहीं बल्कि विभिन्न समुदायों के मिलने-जुलने,

रिश्ते बनाने और अनुभव साझा करने का मंच भी है। इसलिए ग्रामीण समाज में यह मेला सामाजिक बंधन और लोकसंवाद की परंपरा को भी प्रोत्साहित करता है। आज जब पूरी दुनिया में वर्चुअल आयोजनों की भरमार है, ऐसे समय में सोनपुर का यह लोक मेला वास्तविक सामाजिक जुड़ाव का अनुभव देता है। यहां किसान, व्यापारी, शिल्पकार, संगीतकार और लोक-कलाकार सब मिलकर आम नागरिक जीवन की सतरंगी तस्वीर पेश करते हैं। यही वजह है कि आज के इस डिजिटल युग में भी सदियों से आयोजित हो रहे सोनपुर के पशु मेले का आकर्षण जरा भी कम नहीं हुआ है। k

गाइडेंस

कीर्तिशेखर

किसी एक उम्र तक ही सीरियस होकर सफल करियर नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हर एज की जरूरत के अनुसार करियर को सही दिशा दी जाए।

सक्सेसफुल करियर के लिए हर एज में सीरियस होना जरूरी

जीवन में कामयाब करियर हासिल करने के लिए सही समय क्या होता है, जब हमें इसके लिए गंभीर हो जाना चाहिए? इसके अलग-अलग जवाब हो सकते हैं। अगर हमें जीवन में अपने कामयाब करियर के लिए सजग रहना है तो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों में अलग-अलग तरह की सजगता बहुत जरूरी है ताकि उनके साझे नतीजे में हमारा शानदार-कामयाब करियर बने।

स्कूल टाइम (10 से 16 साल): यह वह उम्र होती है, जब कोई भी छात्र अपनी पढ़ाई, पढ़े जाने वाले विषय और उन विषयों में अपनी रुझान पहचानना शुरू करता है। इस उम्र में भविष्य के कामयाब करियर के लिए सजग हो जाना जरूरी है। क्योंकि उसी के मुताबिक आपको आगे अपने पढ़े जाने वाले विषयों की स्ट्रीम (आर्ट, कॉमर्स, साइंस) तय करना होता है और जिसमें बेहतर रुझान होता है, उसी दिशा में आगे करियर विकल्प पर फोकस करना होता है। इसलिए इस उम्र में जरूरी है- पढ़ने की आदत और अनुशासन विकसित करना। आप अपनी स्ट्रीम के मुताबिक अपनी रुचि को पहचानिए और उसे उस समय के हिसाब से विकसित करने की कोशिश करें। क्योंकि उम्र का यही वह पड़ाव होता है, जब हमारे जीवन के कामयाब करियर की नींव पड़ती है।

कॉलेज/स्नातक (16 से 23 साल): करियर के लिए हमारी जिंदगी में असली और सर्वाधिक सीरियस होने का यही समय होता है, क्योंकि इसी

समय हमें डिग्री मिलती है और डिग्री के साथ-साथ हम स्किल डेवलपमेंट, इंटर्नशिप या अपने ड्रीम करियर के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इस समय करियर को लेकर सर्वाधिक गंभीरता की इसलिए भी जरूरत पड़ती है, क्योंकि इस उम्र में हममें सबसे ज्यादा ऊर्जा होती है। इसी उम्र में हमारे पास असफल होकर दोबारा से नए सिरे से करियर शुरू करने का हौसला रहता है।

युवावस्था (23 से 30 साल): यह करियर शुरू हो जाने के बाद उसे स्थिरता प्रदान करने का समय होता है। क्योंकि अब वास्तव में करियर शुरू हो चुका होता है और उसे मजबूत और स्थिर बनाना हमारे हाथ में होता है। इसलिए इस उम्र में हमें

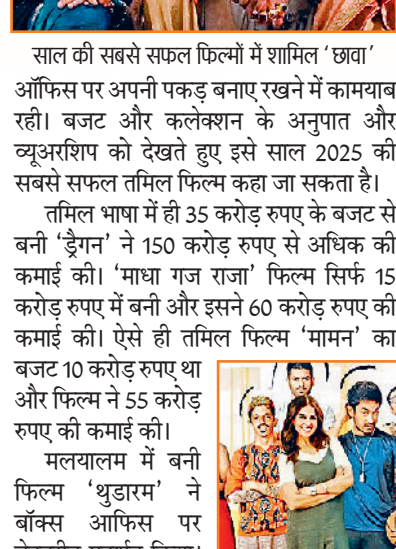

ज्यादा से ज्यादा अपने करियर के इस मोड़ पर फोकस करना चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर हमें सिर्फ करियर के लिए पढ़ाई पर ही ध्यान नहीं देना होता बल्कि नेटवर्किंग, अनुभव और सही अवसर पकड़ने की कोशिश पर होता है। क्योंकि अगर 23 से 30 के बीच हमारे करियर की दिशा अच्छी तरह से तय हो गई, तय होने के साथ-साथ इस दिशा में अगर हमने अपने आपको मजबूती से जमा लिया, तो आगे विकास और पदोन्नति आसान हो जाती है। यही वह उम्र है, जब हम एक करियर में रहते हुए इनकी मजबूती से तैयारी करते हैं। इसी उम्र में स्टार्टअप शुरू करना, अपने विषय विशेष पर रिसर्च करना या जॉब के साथ फ्रीलांसिंग के

अवसर पकड़ना होता है। इसलिए उम्र का यह पड़ाव भी करियर के लिहाज से इंपॉर्टेंट होता है।

स्थिरता-विकास (31 से 40 साल): 31वें साल से लेकर 40वें साल तक हम अपने करियर को स्थिरता प्रदान करते हुए उच्च विकास की ओर आगे बढ़ते हैं। इस दौरान कई बार हमें पीएचडी की पढ़ाई करनी होती है। जॉब में लीडरशिप पाने के लिए मैनेजमेंट कोर्स या इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन की पढ़ाई करनी होती है। कुल मिलाकर इस उम्र में हम अपने करियर को मजबूती देकर विशेषज्ञता की ओर बढ़ते हैं और नेतृत्व हासिल करते हैं। इसलिए करियर के लिहाज से उम्र का यह पड़ाव हमारे लिए महत्वपूर्ण होता है कि इस समय तक हमारे क्षेत्र विशेष में हमारी प्रोफेशनल पहचान बनने लगती है और हममें अपने क्षेत्र में स्थिरता हासिल करना जरूरी हो जाता है।

अनुभव का पूंजीकरण (40 साल के बाद): उम्र के इस पड़ाव में हमें अपनी अब तक की मेहनत के कई सुफल मिलते है। लेकिन कई बार हमें इस उम्र में अपना टेक्नोलॉजी स्किल बदलने नए सिरे से अपनी पढ़ाई में कुछ और जोड़ना होता है। इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए। k

सिने ट्रेंड / डी. जे. नंदन

जरूरी नहीं कि जिस फिल्म का बजट ज्यादा होगा, उसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी जानदार होगा। कई बार लो बजट में बनी फिल्में भी कमाई के मामले में कमाल कर जाती हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में बनी कुछ ऐसी फिल्मों पर एक नजर।

बजट रहा लो-किया हाई कलेक्शन

इस साल भारतीय सिनेमा में बड़े बजट की फिल्मों ने ही नहीं बल्कि छोटे बजट की अच्छी कहानियों पर बनी फिल्मों ने भी कमाल कर दिखाया। कम बजट में बनने वाली कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई तो की ही, फिल्म की कहानी और संगीत ने भी लोगों के दिलों को छुआ। मतलब साफ है, अब दर्शक ऐसी फिल्में देखना पसंद करते हैं, जिसकी कहानी उनके दिल को छू जाए और उन्हें एकबारगी सोचने पर मजबूर कर दे।

कम बजट में बड़ी सफलता: इस साल महज 45 करोड़ रुपए के बजट से बनी, फिल्म 'सैयारा' 500 करोड़ रुपए से अधिक का बिजनेस चुकी है। इस फिल्म की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि दर्शकों को बड़े-भव्य सेट्स और महंगे लोकेशन वाली फिल्में ही नहीं, अच्छी कहानी और अच्छे संगीत पर आधारित फिल्में भी खूब पसंद आती हैं। न्यू कमर्स अहान पांडे और अनीता पड्डा को इस फिल्म ने रातों-रात स्टार बना दिया। 'सैयारा' से पहले विकी कौशल की फिल्म 'छावा' ने वर्ल्डवाइड लगभग 808 करोड़ रुपए की कमाई की थी। महज 90 करोड़ रुपए के बजट में बनी 'छावा' साल 2025 की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी।

आमिर खान की 'सितारे जमीं पर' ने भी बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसने लगभग 300 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। राजकुमार राव अभिनीत 'भूलचूक माफ' महज 45 करोड़ रुपए के बजट से बनी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 90 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई की थी।

'हाउसफुल 5' का उम्मीद से कम रहा कलेक्शन

बड़े बजट के बावजूद नहीं मिली सफलता: इस साल बड़े बजट की कई फिल्मों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि वो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित होंगी। लेकिन इन बिग बजट फिल्मों ने निराश ही किया। अक्षय कुमार की 'स्काई फोर्स' खास कमाई नहीं कर पाई। सनी देओल की 'जाट' उम्मीद से काफी कम चली। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' भी कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा', जो की मलयालम फिल्म की रीमेक है, नहीं चल पाई। कंगना रानोट की 'इमरजेंसी' से भी सफलता दूर ही रही। मल्टी स्टारर फिल्म 'हाउस फुल-5' अपना बजट निकालने में तो कामयाब रही, लेकिन फिल्म उम्मीद के मुताबिक मुनाफा नहीं कमा पाई।

'सैयारा' को मिली शानदार सफलता

अन्य भारतीय भाषाओं की सफल फिल्में: हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं में बनी फिल्मों पर नजर डालें तो क्षेत्रीय भाषाओं में बनी कई लो बजट फिल्मों ने कमाल की सफलता पाई। तमिल फिल्मों की बात करें तो सिर्फ 7 करोड़ रुपए के मामूली बजट में बनी तमिल फिल्म 'टूरिस्ट फैमिली' ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। यह फिल्म पांच सप्ताह तक लगातार बॉक्स

साल की सबसे सफल फिल्मों में शामिल 'छावा'

ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रही। बजट और कलेक्शन के अनुपात और व्यूअरशिप को देखते हुए इसे साल 2025 की सबसे सफल तमिल फिल्म कहा जा सकता है।

तमिल भाषा में ही 35 करोड़ रुपए के बजट से बनी 'ड्रैगन' ने 150 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। 'माधा गज राजा' फिल्म सिर्फ 15 करोड़ रुपए में बनी और इसने 60 करोड़ रुपए की कमाई की। ऐसे ही तमिल फिल्म 'मामन' का बजट 10 करोड़ रुपए था और फिल्म ने 55 करोड़ रुपए की कमाई की।

मलयालम में बनी फिल्म 'थुडारम' ने बॉक्स आफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। लगभग 50 करोड़ रुपए के बजट वाली इस फिल्म ने 235 करोड़ रुपए के आस-पास कमाई की। मलयालम भाषा की ही फिल्म 'रेखा चित्रम' सिर्फ 10 करोड़ रुपए के बजट से बनी थी। फिल्म ने उम्मीद से ज्यादा लगभग 60 करोड़ रुपए की कमाई की। ऐसे ही 'अलप्पाबुझा जिमखाना' 12 करोड़ रुपए के

तमिल फिल्म 'टूरिस्ट फैमिली' ने किया कमाल

बजट से बनी और लगभग 70 करोड़ रुपए की कमाई की।

तेलुगू भाषा की फिल्म 'संक्रांतिकी वस्थुनम' 50 करोड़ रुपए के बजट से बनी और फिल्म ने लगभग 260 करोड़ रुपए की कमाई की।

दर्शकों को प्रभावित करती है कहानी: छोटे बजट की इन भारतीय फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन यह संकेत करता है कि फिल्म का बजट और स्टारकास्ट भले ही मायने रखते हैं, लेकिन फिल्म की कहानी और उसकी प्रस्तुति भी दर्शकों को खींचने और उन्हें बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बड़े बजट की फिल्मों का कम चलना और लो बजट फिल्मों का शानदार प्रदर्शन निर्माता-निर्देशकों के लिए भी सबक है कि वे स्टार पावर के अलावा कहानियों और उसके प्रस्तुतिकरण पर भी ध्यान दें। भले ही कम बजट में फिल्में बनाएं, लेकिन अच्छी फिल्में बनाएं। k

'सितारे जमीन पर' ने भी की बढ़िया कमाई